प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

वर्ष-4 | अंक-35 | मथुरा, बुधवार, 1 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

कक्षाओं में पहुंचा यूनिक समय, लुक काफी पसंद आया

पढ़ाई से ज्यादा अखबार ने खींचा ध्यान

मथुरा के एक स्कूल की कक्षा में यूनिक समय समाचार पत्र पढ़ती छात्राएं।

हैड लाइनों को बोल-बोलकर पढ़ा गया

शिक्षक—शिक्षिका और विद्यार्थियों ने खबरों को पढ़ा

बोले.. अखबार पढ़ने से कंपटीशन आसान हो जाएंगे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षा का नया सत्र शुरु होते ही स्कूल—कॉलेजों में चहल पहल शुरु हो गई। कक्षा एक से लेकर आठवीं तक विद्यार्थी नई क्लास में पहुंचे तो एक दूसरे का भावनात्मक परिचय हुआ। किसी स्कूल में बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया। नए शिक्षा सत्र के पहले दिन की सबसे बड़ी बात यह नजर आई कि अधिकांश विद्यार्थियों के बीच क्लास या फिर प्रार्थना सभा में दैनिक समाचार पत्र यूनिक समय अखबार पहुंचा। यह अखबार शिक्षक—शिक्षिकाओं के साथ विद्यार्थियों को खूब भाया। विद्यार्थियों ने तो अखबार की हैड लाइनों को बोल—बोलकर पढ़ा। कहा कि छोटे साइज के अखबार में सभी खबरें हैं। लुक भी बहुत पसंद आया। कई बच्चों ने तो अपनी रूचि भी जाहिर की।

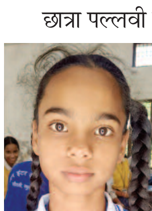
छात्रा पल्लवी का कहना था कि यूनिक समय का लुक काफी अच्छा लगा। इसमें हर खबर पढ़ने को मिली। यदि हम रोजाना अखबार पढ़ेंगे तो कंपटीशन आसान हो जाएंगे।

छात्रा तमन्ना कहती है कि अखबार एक हमारा शिक्षक है। शिक्षक पढ़ाते हैं तो अखबार को पढ़कर जिंदगी में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

प्रधानाचार्या रेनू बाला का कहना था कि यूनिक समय समाचार पत्र का लुक काफी पसंद आया। इस समाचार पत्र में उनका दिल जीत लिया। छोटे साइज के अखबार में सब कुछ पढ़ने को मिला।

शिक्षिका स्मिता शर्मा ने यूपी सरकार के निर्णय को सही ठहराया। कहा कि अखबार को बच्चे भूलते जा रहे हैं। अखबार पढ़ेंगे तो जनरल नालिज बढ़ेगी। यह जनरल नालिज उनके हर कंपटीशन में काम आएगी।

शिक्षिका सरोज अग्रवाल का मानना है कि अखबार से हर रोज सुबह कुछ न कुछ नया पढ़ने को मिलता है। बदलते समय बच्चे मोबाइल से चिपक जाते हैं। उससे उनकी जिंदगी पर काफी प्रभाव पड़ रहा है।

शिक्षिका रुपा सिंह कहती है कि हर प्रतियोगिता में ऐसे सवाल पूछे जाते हैं कि वह समाचार पत्र के अलावा कहीं और पढ़ने को नहीं मिल सकते हैं। सरकार का हर रोज अखबार पढ़ने का निर्णय सही है।

शिक्षिका मंजू कुमारी का कहना है कि घरों पर अखबार आते थे, लेकिन कोरोना काल के बाद अखबार बंद कर दिए। इस कारण कुछ भी रहा है, लेकिन आज कंपटीशनों को देखते हुए अखबार पढ़ने की आवश्यकता है।

कक्षा आठ की छात्रा नैना कहती है कि अखबार पढ़ना जरूरी है। यदि रोजाना पढ़ेंगे तो कुछ न कुछ सीखने को मिलेगा। अखबार पढ़ने का समय निकालेंगे।

छात्रा रितिका का मानना है कि सरकार का स्कूलों में अखबार पढ़ाने का फैसला काफी अच्छा है। अखबार से देश और दुनिया में घटित घटनाओं के बारे में खबरें मिलेंगी।

छात्र सुमित का कहना है कि अखबार की पढ़ने की आदत छूट गई थी, लेकिन अब सरकार के आदेश से स्कूल में अखबार पढ़ने को मिलेगा तो कुछ न कुछ सीखने को मिलेगा।

छात्र देव का कहना है कि अब अखबार को अपनी पढ़ाई का अहम हिस्सा बनाना पड़ेगा। अखबार की खबरें कुछ न कुछ सिखाएंगी। अखबार से कुछ नया सीखने को मिलेगा।

महंगाई की मार से दवाएं हुईं और महंगी

यूनिक समय, मथुरा। महंगाई डायन ने एक अप्रेल से कई वस्तुओं पर असर दिखाना शुरु कर दिया। बाजार में खरीदादारी के लिए निकलने वाले ग्राहकों को अहसास होने लग गया। उनकी जुबान से सुनाई देने लगा कि आ गई महंगाई। सबसे अधिक प्रभाव दवाओं पर देखा जाएगा। सरकार के अधीन कार्यरत संस्था राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के फैसले के बाद एक अप्रैल 2026 से दवाएं महंगी हो गई हैं। बुखार, दर्द, बीपी, डायबिटीज जैसी हजारों दवाओं के दाम बढ़ चुके हैं। इसका सीधा असर आपकी जेब पर दिखने वाला है। ये वो सारी दवाएं हैं जिनका सेवन अधिकतर लोग नियमित रूप से करते हैं। एनपीपीए ने आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची में शामिल दवाओं की कीमतों में करीब 0.6% तक इजाफा करने को हरी झंडी दिखा दी है। इसके बाद करीब 1 हजार से अधिक जरूरी दवाओं की कीमत बढ़ जाएगी। जो दवाएं इस लिस्ट में नहीं हैं, उनके दाम कंपनियां साल में 10% तक बढ़ा सकती हैं। लेकिन ऊपर दी गई दवाओं के दाम 1 अप्रैल 2026 से सिर्फ 0.65% ही बढ़ेंगे। इस हिसाब से अगर कोई दवा 100 रुपए की पहले मिलती थी तो वो अप्रैल से 100.65 रुपए में मिलेगी। इस हिसाब से देखा जाए तो ये महंगाई आर्थिक रूप से बहुत अधिक प्रभावित नहीं करेगी। हालांकि, जो लोग अधिक दवाओं को सेवन करते हैं उनकी जेब पर थोड़ा अधिक दबाव देखने को मिल सकता है।

पुलिस की मिलीभगत से भांडीरवन में चल रही अवैध पार्किंग

यूनिक समय, मांट (मथुरा)। इलाका पुलिस की मिलीभगत से भांडिरवन में अवैध पार्किंग धड़ल्ले से चल रही है। मांट मूला ग्राम पंचायत में दो पौराणिक स्थल हैं। एक राधा कृष्ण की विवाह स्थली भांडीरवन तो दूसरा राधा कृष्ण की महारास स्थली बंसीवट है। दोनों स्थानों पर हजारों श्रद्धालु देश भर से आते हैं। दोनों ही स्थानों पर कोई वैध पार्किंग नहीं है, होली के त्योहार से पूर्व मांट मूला पंचायत द्वारा बंसीवट में पार्किंग के ठेका के लिए निविदा मांगी गई थीं, कई लोगों ने ग्राम पंचायत की शर्तों के मुताबिक नकद धनराशि जमा कर निविदा जमा कीं, लेकिन निविदा आज भी डिब्बे में बंद पड़ी हुई हैं, कोई जिम्मेदार व्यक्ति बताने को तैयार नहीं है कि आखिर ये निविदा कब खुलेंगी

बंसीवट में पार्किंग की चर्चा होते ही भांडीरवन के सेवायत सक्रिय हो गए और सेवायतों के एक गुट ने भांडीरवन गेट से सटी अपनी निजी जमीन पर अवैध पार्किंग शुरू कर दी। पार्किंग के लिए किसी तरह की कोई भी औपचारिकता पूरी नहीं की, बस थाना पुलिस से सेटिंग कर ली।

जुगाड़ | गैस संकट में देसी तकनीक बनी नया संकट मोचन

डीजल की भट्ठी पर बनने लगीं मिठाईयां

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। एलपीजी सिलेंडर नहीं मिले तो कोई बात नहीं। अब जुगाड़ करके डीजल भट्ठी हलवाइयों के लिए संकट मोचन बन कर नई ताकत के रूप में उभरकर सामने आई है। करीब 20 हजार रुपये में तैयार डीजल भट्ठी ने मिठाई बनाने वाले कारीगरों की टेंशन खत्म कर दी है।

ईरान के साथ इजराइल और अमेरिका के चल रहे युद्ध की वजह गैस का संकट पैदा हो गया। स्थिति यह हो गई है कि मिठाई विक्रेताओं को पर्याप्त मात्रा में सिलेंडर मिलने बंद हो गए हैं। दुकान बंद होने की नौबत आने लगी है। कारीगर परेशान होने लगे हैं। इस अवसर पर दिमाग में नया आइडिया आ गया। डीजल भट्ठी तैयार की गई। इसकी कीमत करीब 20 हजार रुपये आई है। एक ड्रम में डीजल भरकर भट्ठी के साथ उसकी पाइप जोड़ दी। फिर क्या गैस की तरह भट्ठी सुलग गई। कारीगरों के चेहरों पर मुस्कान दिखने लगी। मंदिरों की नगरी में डीजल की भट्ठी ऐसी बनी कि कई जगह उसी पर मिठाई तैयारी होती दिख रही हैं। कारीगरों का कहना है कि यदि जुगाड़ सफल हो गई तो गैस की भट्ठी को हर कोई भूल जाएगा।

वृंदावन में डीजल की भट्ठी पर रखी कढ़ाई में बनती बूंदी।

काले कबाड़ी और सोहेल पर इनाम घोषित

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। कस्बा में बीते रविवार को लेन—देन के विवाद में मारपीट और पथराव की वारदात में शामिल काले कबाड़ी और सोहेल पर एसएसपी ने 25—25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस दोनों आरोपियों को दबोचने में जुटी है।

साइबर अपराधी गिरफ्तार, मोबाइल व तमंचा कारतूस मिले

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने साइबर अपराध करने वाले एक अपराधी को गिरफ्तार कर उससे अपराध में प्रयोग किया जाने वाला मोबाइल और तमंचा कारतूस बरामद किए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक भगवत सिंह गुर्जर ने बताया कि गांव देवसेरस निवासी आरिफ साइबर अपराध के मामले में वांछित चल रहा था। रात्रि में पुलिस ने चेकिंग के दौरान सकरवा बाईपास चौराहे के समीप से देवसेरस निवासी आरिफ को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उससे साइबर आपराधिक घटना को अंजाम देने में प्रयोग किया जाने वाला मोबाइल के अलावा एक तमंचा व कारतूस बरामद किए हैं।

मथुरा में 220 करोड़ की तीन बड़ी सड़क परियोजनाओं को मंजूरी

अब राधाकुंड से वृंदावन का मार्ग बनेगा सुगम

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। जिले में आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए शासन ने तीन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इन परियोजनाओं की कुल लागत करीब 220 करोड़ रुपये से अधिक है। इससे न केवल यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि ब्रज क्षेत्र में पर्यटन, व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलने की उम्मीद है।

इनमें सबसे प्रमुख परियोजना जचौदा से राधाकुंड तक 45 मीटर चौड़ी मास्टर प्लान रोड का निर्माण है। इस परियोजना की स्वीकृत लागत लगभग 14033.38 रुपये (करीब 140 करोड़ रुपये) है। इसके लिए शासन ने पहली किस्त के रूप में करीब 4911.68 लाख रुपये (49 करोड़ रुपये से अधिक) जारी कर दिए हैं। यह मार्ग धार्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राधाकुंड क्षेत्र को आधुनिक और चौड़ी सड़क से जोड़कर आवागमन को सुगम बनाएगा।

दूसरी परियोजना के तहत छटीकरा–वृंदावन मार्ग का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। इस परियोजना की लागत 3575.20 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जिसमें से 1251.32 लाख रुपये की पहली किस्त जारी की गई है। इस मार्ग पर बेहतर सड़क, लाइटिंग और सौंदर्यीकरण कार्य होने से वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिलेगा।

पर्यटन और यातायात को नई उड़ान राधाकुंड से वृंदावन तक बदलेगी तस्वीर

राधाकुंड मास्टर प्लान रोड समेत 3 प्रोजेक्ट को हरी झंडी

पहली किस्त में 78 करोड़ रुपये जारी, 18 माह में पूरा होगा काम

तीसरी महत्वपूर्ण परियोजना एनएच-19 से रामताल होते हुए सुनरख गांव तक सड़क चौड़ीकरण (नाला निर्माण सहित) से जुड़ी है। इसकी लागत 4646.94 लाख रुपये है और इसके लिए 1626.42 लाख रुपये की पहली किस्त जारी की गई है। इस परियोजना से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क मजबूत होगा और जलभराव जैसी समस्याओं से भी राहत मिलेगी। इन तीनों परियोजनाओं का क्रियान्वयन मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। परियोजनाओं के लिए 18 माह की समयसीमा निर्धारित की गई है।

एमवीडीए के सचिव आशीष सिंह ने बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी परियोजनाओं पर नियमानुसार शीघ्र कार्य शुरू कराया जाएगा। तकनीकी स्वीकृति और अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं पूर्ण कर समयबद्ध ढंग से निर्माण शुरू किया जाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव पर कल होंगे विशेष कार्यक्रम

कष्ट निवारण हनुमान मंदिर

डीग गेट हनुमान मंदिर

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा की नगरी कल हनुमान मय हो जाएगी। हनुमान जन्मोत्सव पर छोटे से लेकर बड़े हनुमान मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ेगी। राम भक्त हनुमान का आशीर्वाद पाने के लिए भक्त विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे।

जिले में हर हनुमान मंदिर का अपना चमत्कारिक प्रसंग है। इस कारण ही भक्त हर मंगलवार और शनिवार को यहां पहुंचते हैं। मथुरा शहर में डीग गेट स्थित स्टेट हनुमान मंदिर, विकास बाजार के निकट स्थित कष्ट निवारक हनुमान मंदिर समेत अन्य हनुमान मंदिरों को विद्युत की रंग बिरंगी रोशनी से सजाया गया है। इसी क्रम में वृंदावन स्थित लुटेरिया हनुमान मंदिर, सिंह पौर हनुमान मंदिर और अक्रूर धाम स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर समेत अन्य हनुमान मंदिरों में भी विशेष कार्यक्रम होंगे। वार्ष्णेय महासभा मथुरा के बैनर तले अक्रूरधाम वृंदावन स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में अपराह्न तीन बजे सुंदरकांड पाठ होगा। शाम सात बजे से महाप्रसाद होगा। यह जानकारी महामंत्री किशोर बाबू वार्ष्णेय ने दी। परिक्रमा मार्ग स्थित नींव करौरी बाबा आश्रम स्थित हनुमान मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना होगी। इसी क्रम में नौहझील में झाड़ी वाले हनुमान मंदिर में सुबह से लेकर देर रात्रि तक दर्शन के साथ विशेष कार्यक्रम होंगे। जिले के कोसीकलां, छाता, चौमुहां, छटीकरा, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन, राधाकुंड, सौख, मगोर्रा, फरह, गोकुल, बलदेव, राया, मांट, नौहझील, बाजना एवं सुरीर आदि जगहों पर स्थित हनुमान मंदिरों में विशेष कार्यक्रम होंगे। कहीं अखंड रामायण, कहीं सुंदर कांड पाठ तो कहीं हनुमान चालीसा का पाठ होगा।

संकट ते हनुमान छुड़ावै, मन क्रम वचन ध्यान जो लावै

तापमान / मौसम

32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

20 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,53,630

22 कैरेट 1,41,339

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,43,220 प्रति किलो

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

स्वर्णकार समाज को राजनीति में भी बनानी होगी पहचान

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतीय स्वर्णकार जन जागृति एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुजीत वर्मा ने 3 अप्रैल को फरीदाबाद में होने जा रहे स्वर्णकार नेतृत्व संगम एवं 11 अप्रैल को लखनऊमें होने वाले सोनार समागम महापंचायत को भी सफल बनाने का आह्वान किया है। श्री वर्मा ने कहा कि स्वर्णकार समाज का इतिहास सदियों पुराना है। सतयुग से लेकर इस कलयुग में स्वर्ण समाज का एक महत्वपूर्ण स्थान है।हमें राजनीतिक क्षेत्र में भी अपनी पहचान बनानी होगी। इसके लिए युवा स्वर्णकार बंधुओं को आगे आने की आवश्यकता है।

चौबिया पाड़ा में एक दुकान में भीषण अग्निकांड

आग बुझाते-बुझाते बीस लाख रुपये का माल स्वाहा

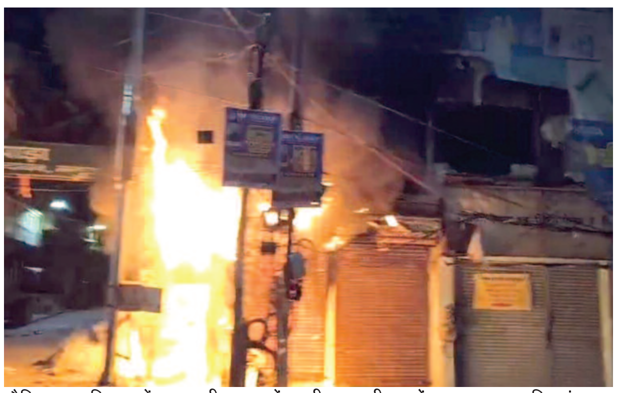

चौबिया पाड़ा स्थित नरेंद्र गुप्ता की दुकान में उठती आग की लपटों का नजारा। अग्निकांड स्थल पर पहुंची दमकल की गाड़ियों के साथ जल पुरूष प्रमोद गर्ग कसेरे की ओर से भेजा गया टैंकर।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। शहर कोतवाली क्षेत्र में एक गिफ्ट आइटम की तीन मंजिला दुकान में आग लगने से अफरा तफरा मच गई। तड़के में मचे शोर के कारण आसपास स्थित घरों में सोने वाले लोगों की नींद टूट गई।

आग लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस, फायर ब्रिगेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। दमकलगाड़ियों को पानी की मदद के लिए जल पुरूष प्रमोद गर्ग कसेरे ने टैंकर भेजे। वह आग को काबू करने में काफी मददगार साबित हुए। अग्निकांड में दुकान में रखा 20 लाख रुपए से अधिक का सामान जलकर खाक हो गया।

आग थमने के बाद दुकान से मलबा बाहर निकालती जेसीबी।

जानकारी के अनुसार चौबिया पाड़ा में नरेंद्र गुप्ता की तीन मंजिला दुकान है। इसमें वह पत्तल, दौना, रस्सी के अलावा गिफ्ट आइटम थे। बुधवार की सुबह करीब साढ़े 4 बजे उनकी दुकान के बराबर में कचौड़ी की दुकान करने वाले उनके पड़ोसी घर पर पहुंचे और बोले कि दुकान से धुआं निकल रहा है। शायद आग लगी है जल्दी चलिए। यहां आकर देखा तो आग की लपटों से दुकान घिरी हुई थी। देखते ही देखते लपटों में पूरी दुकान को ले लिया। तीन मंजिला दुकान धूं धूं कर जलने लगी। भोर के अंधेरे में आग की लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं। आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। सूचना मिलने पर कुछ ही देर में फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। गाड़ियों में पानी की कमी को पूरा करने के लिए जल पुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे ने पानी से भरे टैंकरों को भिजवाया। नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को साप्ताहिक अवकाश के कारण दुकान बंद थी। वह परिवार के साथ बाहर गए थे। रात साढ़े 12 बजे लौटे तब तक कुछ नहीं था। सुबह सूचना मिली कि आग लग गई है। नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि वह लाइट के सभी स्विच ऑफ करके गए थे। आग कैसे लगी समझ नहीं आ रहा।

दमकलकर्मियों के साथ जलपुरूष प्रमोद गर्ग के योगदान पर आभार

यूनिक समय, मथुरा। भैंस बहोरा रोड व्यवसायी समिति ने जल पुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे के योगदान की तारीफ की।

कहा कि मथुरा शहर में कभी आ किसी भी रुप में आपदा आती हैं उनका मुकाबला प्रशासन के साथ साथ जल पुरुष प्रमोद गर्ग कसेरे करते हैं। अध्यक्ष कन्हैया लाल बजाज, महामंत्री रामचंद्र खत्री, वरिष्ठ महामंत्री श्रीभगवान चतुर्वेदी, वरिष्ठ सह महामंत्री श्याम शर्मा, उपाध्यक्ष रवि अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजीव अग्रवाल, महामंत्री कपिल शर्मा, सह महामंत्री रोहित चतुर्वेदी, वरिष्ठ मंत्री पंकज चतुर्वेदी आदि ने भी जलपुरूष प्रमोद गर्ग के प्रति आभार जताया है।

श्री नामदेव टांक रोहिला क्षत्रिय समिति का गठन 14 अप्रैल को

यूनिक समय, मथुरा। श्री नामदेव टांक रोहिला क्षत्रिय समिति की हुई बैठक में समाज के विकास और उत्थान पर विचार विमर्श किया गया। इस मौके पर जगदीश वर्मा, बंटी वर्मा, चंद्र शेखर वर्मा,दौजीज वर्मा, हर्ष मोयल, जवाहर लाल, अजय, विजय वर्मा, प्रदीप वर्मा, नरेश वर्मा, विनोद वर्मा, विशाल वर्मा तथा कन्हैया लाल टांक आदि उपस्थित थे। बैठक में निर्णय लिया गया कि श्री नामदेव टांक रोहिला क्षत्रिय समिति का गठन 14 अप्रैल को होने वाली बैठक में किया जाएगा।

बच्ची को मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाते युवक को पीटा

मौके पर पहुंची पुलिस को युवक को सौंपा

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली की पदमपुरी कालोनी में एक युवक को बच्ची को मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखाने पर स्थानीय लोगों ने पीटा और पुलिस के हवाले कर दिया।

बताया गया कि रात के समय युवक पदमपुरी कालोनी में एक बच्ची को मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखा रहा था। बच्ची ने इसकी शिकायत परिवार के लोगों से की। इस पर परिवार के लोगों सहित अन्य कालोनी के लोगों ने युवक की जमकर पिटाई की। पुलिस को भी सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे कृष्णानगर पुलिस चौकी प्रभारी ने युवक को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया। चौकी प्रभारी ने बताया कि बच्ची के परिवार के लोगों का कहना है कि युवक उसे मोबाइल पर अश्लील वीडियो दिखा रहा था।

एसएसपी ने पीआरओ को दिया शेरगढ़ थाने का चार्ज

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी श्लोक कुमार ने दो निरीक्षकों के स्थानांतण किए हैं। एसएसपी ने अपने पीआरओ अजय किशोर को थाना प्रभारी निरीक्षक शेरगढ़ का प्रभार सौंपा है। लंबे समय से शेरगढ़ थाने में तैनात निरीक्षक प्रदीप कुमार को मेला सैल ओर वीआईपी ड्यूटी की जिम्मेदारी सौंपी है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

जिले के सभी एंट्री-एग्जिट पॉइंट्स पर लगे अत्याधुनिक कैमरे

चोरी के वाहनों पर तुरंत अलर्ट देगा नया सिस्टम

एसएसपी ने किया हाईटेक कंट्रोल रूम का उद्घाटन

24 घंटे लाइव मॉनिटरिंग से बढ़ेगी पुलिस सतर्कता

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले की सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य बनाने और अपराधियों पर डिजिटल स्ट्राइक करने के लिए मथुरा पुलिस ने कमर कस ली है। एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन स्थित सीसीटीएनएस कार्यालय में नवनिर्मित अत्याधुनिक सीसीटीवी कंट्रोल रूम का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने पूरी प्रणाली का बारीकी से निरीक्षण किया और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी ने बताया कि जनपद के सभी प्रमुख स्थानों और विशेष रूप से जिले की सीमाओं (प्रवेश व निकास द्वारों) कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सीएसआर) के तहत स्थापित किए गए हैं जो तकनीक के मामले में बेहद एडवांस हैं।

इस हाईटेक सिस्टम की सबसे बड़ी ताकत इसका डेटाबेस है। कंट्रोल रूम में चोरी हुए वाहनों का डेटा फीड रहेगा। जैसे ही कोई संदिग्ध या चोरी का वाहन इन कैमरों की नजर में आएगा सिस्टम तुरंत अलर्ट जारी कर देगा। इससे पुलिस को अपराधियों की घेराबंदी करने और वाहन बरामद करने में सेकेंडों का समय लगेगा। एसएसपी ने कहा कि "अपराध पर नकेल कसने की दिशा में यह प्रणाली एक मील का पत्थर साबित होगी।" किसी भी वारदात के बाद अपराधियों के भागने के रास्ते और उनकी पहचान अब छिपी नहीं रह सकेगी। कंट्रोल रूम से 24 घंटे लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी, जिससे पुलिस की प्रतिक्रिया का समय भी बेहतर होगा। उद्घाटन के अवसर पर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुरेश चंद्र आदि मौजूद थे।

TEST	MARKET RATE	OUR RATE
ECHO	2500	1000
TMT	1500	500
Holter	2000	1500
Angiography	10000	7000
Angioplasty	140000	90000 (Stent charge Extra)
Pacemaker (TPI)	15000	9000

नगर आयुक्त ने किया कब्जे वाली जमीन का स्थलीय निरीक्षण

कृष्णापुरी में 4.6 हेक्टेयर भूमि पर नगर निगम का कब्जा

कृष्णापुरी स्थित कब्जे में ली गई भूमि का अवलोकन करते नगर आयुक्त जगप्रवेश।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–वृंदावन नगर निगम सीमांतर्गत कृष्णापुरी क्षेत्र स्थित खसरा संख्या 3193 (अ) तथा खसरा संख्या 3193 (ब) की लगभग 4.6 हेक्टेयर भूमि को उप जिला अधिकारी न्यायालय, उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार राज्य सरकार में दर्ज कर दिया गया है।

राज्य सरकार में दर्ज होने के बाद इस भूमि को अब नगर निगम मथुरा–वृंदावन द्वारा अपने कब्जे में लिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कुछ व्यक्तियों की ओर से फर्जी दस्तावेज तैयार कर इस भूमि पर अतिक्रमण किया गया था। उप जिलाअधिकारी न्यायालय के आदेश के क्रम में विधिक कार्रवाई करते हुए अब इस भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराकर नगर निगम के अधिकार में लिया जा रहा है। नगर आयुक्त जग प्रवेश ने मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब है कि इस जमीन पर कई पक्षों ने अपना कब्जा कर रखा था। बीते साल इस जमीन पर कब्जे को लेकर काफी फसाद हुआ था। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सहायक नगर आयुक्त कल्पना सिंह चौहान, अधिशासी अभियंता (निर्माण) अमरेंद्र गौतम, संबंधित राजस्व निरीक्षक (आरआई), नगर निगम की प्रवर्तन टीम सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

जमीन को खाली कराने में छूटे पसीने

15 जेसीबी से भूमि को खाली कराया

कई बाउंड्रियों को ध्वस्त किया गया

यूनिक समय, मथुरा। कृष्णापुरी क्षेत्र के निकट मैथोडिस्ट चर्च के आसपास जमीन का कोई हकदार नहीं होने से नगर निगम और प्रशासन ने बुधवार को पुलिस बल के साथ अपने कब्जे में ले लिया है। क्रिश्चियन परिवार के लोगों ने इसका विरोध किया, लेकिन कार्रवाई जारी रही। बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह और सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा भारी पुलिस बल और नगर निगम की टीम के साथ पहुंचे। इसके बाद करीब 15 जेसीबी से जमीन को खाली कराने का कार्य शुरू कर दिया। कई बाउंड्री को भी ध्वस्त कराया गया। वहीं चर्च के निकट रह रहे करीब 25 क्रिश्चियन परिवार के लोगों ने इस कार्रवाई का विरोध किया। हालांकि टीम कार्रवाई में जुटी रही। संकेत दिए कि यहां पर आगामी दिनों में कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जाएगा।

नगर निगम ने वित्तीय वर्ष में राजस्व संग्रह में बनाया नया कीर्तिमान

नगर आयुक्त जगप्रवेश को पुष्प गुच्छ भेंट करते पार्षदों का प्रतिनिधिमंडल।

करीब 148 करोड़ रुपये की आय अर्जित बड़ी उपलब्धि हासिल की

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा–वृंदावन ने वित्तीय वर्ष 2025–26 में राजस्व संग्रह के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए कर एवं करेत्तर मद में करीब 148 करोड़ रुपये की आय अर्जित की है। इसे नगर निगम के इतिहास की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।पिछले वित्तीय वर्ष 2024–25 में निगम को 88 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था, जबकि इस वर्ष इसमें लगभग 60 करोड़ रुपये (करीब 68 प्रतिशत) की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

इस वृद्धि से नगर निगम की आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हुई है। इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए विभिन्न पार्षद नगर निगम कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों का सम्मान किया। पार्षद राकेश भाटिया, अभिजीत चौधरी, राजीव कुमार सिंह, मुन्ना मलिक, नीलम गोयल, राकेश यादव, लीला प्रधान, मनोज धनगर, इंजीनियर देवेंद्र कुमार, हनुमान गुर्जर, अंकुर गुर्जर एवं बृजेश अहेरिया ने नगर आयुक्त जग प्रवेश को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके नेतृत्व की सराहना की।

इसके साथ ही अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र सिंह यादव, कर निर्धारण अधिकारी अरविंद यादव सहित कर विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी उनके बेहतर प्रबंधन और कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी गई।

नगर आयुक्त जग प्रवेश ने इस सफलता का श्रेय पूरी टीम के समन्वित प्रयास और करदाताओं के सहयोग को देते हुए कहा कि भविष्य में भी बेहतर कार्यप्रणाली के साथ नगर के विकास को प्राथमिकता दी जाएगी।

पुलिस ने गिरफ्तार किए झपट्टा मार गैंग के चार अपराधी

पुलिस की गिरफ्त में महिलाओं से पर्स आदि छीन कर भागने वाले गैंग के सदस्य।

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन कोतवाली पुलिस ने लेडीज पर्स छीन कर भागने वाले बाइकर गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छीना गया पर्स आदि बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि 21 मार्च को दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवार बदमाश ने एक महिला से रास्ते में झपट्टा मारकर उसका पर्स लेकर भाग गए थे। इस मामले में थाना वृदावन में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

पुलिस ने रास्ता चलती महिलाओं से झपट्टा मारकर पर्स व मोबाइल लूटने वाले बदमाशों के बारे में जानकारी जुटाना शुरू कर दिया। पुलिस को इस मामले में एक सूचना मिली कि गैंग के सदस्य रुकमणी बिहार गोल चक्कर के पास हैं। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर वहां से अभियुक्त देवेंद्र निवासी परखम गूर्जर थाना जैंत, भोला राम निवासी बिलौठी थाना चिकसाना भरतपुर राजस्थान, प्रदीप निवासी राधेश्याम कालोनी थाना गोविंदनगर व भजन लाल निवासी राया को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटा गया एक वीवो फोन, एक केमरा निकोन, 27 हजार की नकदी और एक पीली धातु का टुकड़ा बरामद किया है।

दो से छह अप्रैल तक सड़क यातायात बंद रहेगा

फरह–बाद के बीच फाटक संख्या 523 के पास काम होगा

यूनिक समय, आगरा। मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय की जारी विज्ञप्ति के अनुसार आगरा-मथुरा खंड के फरह-बाद के बीच स्थित फाटक संख्या 523 (किमी 1383 /26-28) पर अनुरक्षण का कार्य दो से छह अप्रैल तक किया जाना है। यह कार्य सड़क यातायात रोके बिना नहीं किया जा सकता है। यह कार्य सुरक्षा की दृष्टि से अति आवश्यक है।

रेल प्रशासन द्वारा अनुरक्षण का कार्य दो से छह अप्रैल तक सड़क यातायात बंद रहेगा। गेट बंद होने के दौरान रेल सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़क यातायात का वैकल्पिक मार्ग फाटक संख्या 523 से गुजरने वाले वाहनों को अंडरपास 524 एवं फाटक संख्या –522 से होकर गुजारने की व्यवस्था की गई है।

तमंचा के साथ युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। यमुनापार पुलिस ने एक अभियुक्त को तमंचा व कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बरेली हाईवे पर सिहोरा की ओर जाने वाले अंडरपास के समीप से अभियुक्त गौरव निवासी माता वाली गली लक्ष्मीनगर थाना यमुनापार को गिरफ्तार कर उससे तमंचा कारतूस बरामद किया है।

वृंदावन बालाजी देवस्थान में कल मनेगा चतुर्थ पाटोत्सव

यूनिक समय, वृंदावन। मथुरा मार्ग स्थित अटल्ला चुंगी के पास वृंदावन बालाजी देवस्थान में कल चतुर्थ पाटोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा। यहां हनुमानजी महाराज अपने पांचों भाईयों मतिमान, श्रुतिमान, केतुमान, गतिमान और घृतिमान के साथ भक्तों को दर्शन देकर कल्याण कर रहे हैं। मंदिर में हनुमानजी की कुंडली के दिव्य दर्शन और हनुमान चालीसा स्तंभ की परिक्रमा को अत्यंत फलदायी माना जाता है। मंदिर संस्थापक आध्यात्मिक गुरु डॉ. अनुरागकृष्ण पाठक ने बताया कि पाटोत्सव के अवसर पर हनुमानजी महाराज का पंचामृत से महाभिषेक, फूलबंगला सजावट और सवामनी प्रसाद अर्पण किया जाएगा। कार्यक्रम में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ होगा। शाम को हरिनाम महासंकीर्तन के साथ भव्य महाआरती का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मंदिर में उमड़ने की संभावना है।

धमकी से पलायन, मुस्लिम समाज के घरों में लटके ताले

फरह चौराहे पर फल और सब्जी की कई दुकानें नहीं खुलीं

मुस्लिम समाज के लोगों के कई कारोबार भी बंद, दहशत

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। मारपीट और पथराव की घटना के बाद मुस्लिम समाज दहशत में है। धमकी के चलते कई परिवार घरों में ताले लगाकर पलायन कर गए हैं, इनमें घटना के मुख्य आरोपी काले कबाड़ी का भी परिवार शामिल है। वहीं, फरह चौराहे पर मुस्लिम समाज की दुकानें बंद रहीं।

कस्बा में लेनदेन को लेकर काले कबाड़ी और गांव फतिहा निवासी पीतम के बीच विवाद हो गया था। मारपीट के बाद काले पक्ष के लोगों ने सर्विस रोड पर पथराव भी किया, जिससे भगदड़ मच गई थी। प्रकरण में प्रीतम की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया था। अब इस घटना के बाद से फल और सब्जी बेचने का कारोबार करने वाले मुस्लिम समाज के लोग दुकान नहीं खोल रहे हैं, अन्य खान–पान से जुड़ी दुकान भी बंद चल रही है। मुस्लिम समाज के लोगों का कहना है कि हिंदूवादी संगठनों के कई लड़कों ने उनको कारोबार खोलने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी है। वहीं, हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं की धमकी के चलते काले का परिवार घर में ताला डालकर कहीं चला गया है। व्यापारी मुहल्ले में रहने वाले कई अन्य मुस्लिम परिवार भी सुरक्षा के लिहाज से परिवार की महिला और बेटियों को लेकर रिश्तेदारियों में चले गए। सीओ रिफाइनरी अनिल कपरवान का कहना है कि कस्बा में शांति बनी है, पलायन से संबंधित कोई जानकारी उनके पास नहीं आई है।

गांवों को मिलेंगी नई सड़क शासन ने धनराशि की स्वीकृत

त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत कई करोड़ रुपये की धनराशि खर्च होगी काम में

संपर्क मार्ग और सड़क निर्माण होने से ग्रामीणों को मिलेगी राहत

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। त्वरित आर्थिक विकास योजना के अंतर्गत क्षेत्र के गई गांवों के संपर्क मार्ग बनेंगे तो कई सड़कों का निर्माण होगा। शासन ने इस काम के लिए कई करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की है, सभी काम ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को सौंपे गए हैं।

यह जानकारी शासन के संयुक्त सचिव राजेंद्र प्रसाद ने डीएम को भेजे गए पत्र में दी है। संयुक्त सचिव की ओर से जारी पत्र के अनुसार, ओल–धर्मपुरा मार्ग से गढ़ी रामवल तक सड़क निर्माण कार्य किया जाएगा, जिस पर करीब 58.45 लाख रुपये की धनराशि व्यय होगी। वहीं, ओल– सरूरपुर मार्ग से गढ़ी रामवल तक करीब 44 लाख रुपये से सड़क निर्माण का काम कराया जाएगा।

स्वीकृत कार्य के अनुसार, एकदंता मोड़ से नगला मियां तक सड़क निर्माण कार्य के लिए करीब एक करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जबकि 101.57 लाख रुपये से जिरौली मार्ग से नगला मिर्जापुर ब्राह्मण तक सड़क निर्माण कार्य जाएगा। वहीं लाडपुर प्राथमिक विद्यालय से गिर्राज के मकान की ओर करीब 50 लाख रुपये से सड़क निर्माण कार्य होगा, जबकि 96 लाख रुपये से नगला तांगर से नगला देवकिशन तक सड़क निर्माण कराया जाएगा। करीब 30 लाख रुपये से गांव शाहजहांपुर से मेघपुर तक सड़क निर्माण का भी काम इसी योजना के अंतर्गत होगा है, इसके लिए धनराशि जारी की गई है।संयुक्त सचिव के अनुसार, इन सड़कों के अलावा भाहई गांव से कुरकुंदा गांव सीमा तक करीब 62 लाख रुपये से संपर्क मार्ग का निर्माण होगा। इसके अलावा मुख्य सड़क से करीब 58 लाख रुपये की धनराशि से राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भदाया गंगाधर तक की सड़क का निर्माण कार्य भी कराया जाएगा। इन कामों के लिए ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि यह सभी काम जनप्रतिनिधियों के प्रस्ताव पर स्वीकृत किए गए हैं। निर्देश दिए गए हैं कि जिस काम को स्वीकृत किया है, धनराशि इस काम पर की जाए।

वृंदावन पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

चार दिन तक थाने में रख किया सात युवकों को टॉर्चर

संवाददाता

बांके बिहारी के दर्शन को आए युवकों को चोरी में पकड़ा

थाने में परिवार की महिलाओं से की अभद्रता व धक्का मुक्की

एक महिला हुई थाने में अचेत कुछ पुलिस कर्मियों ने बचाया

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दर्शन करने के लिए सैंकड़ों मील से आए सात युवकों को क्या मालूम था कि दर्शन के बाद उन्हें पुलिसिया कार्रवाई के चलते बिना किसी ठोस कारण के चोरी के मामले में चार दिन तक थाने में पुलिस का टॉर्चर सहना पड़ेगा।

कोतवाली वृन्दावन इस वक्त कानून का मंदिर नहीं, बल्कि पुलिसिया टॉर्चर और तानाशाही का गढ़ बनता जा रहा है। चार दिन पहले मध्य प्रदेश के गंजबासौदा से कई युवक बांके बिहारी मंदिर के दर्शन करने के लिए आए थे। वृदावन पुलिस ने इन सभी को एक चोरी के मामले में पकड़ लिया और थाने लाकर युवकों को जमकर टॉर्चर किया। चार दिन बाद भी जब पुलिस को इन युवकों के खिलाफ चोरी का कोई सबूत नहीं मिला इसके बाद भी पुलिस ने इन युवकों को नहीं छोड़ा। बताया गया कि किसी तरह थाने में पुलिसिया टॉर्चर सह रहे युवकों के परिवार के लोगों को किसी के माध्यम से उनके थाना वृंदावन में पकड़ कर रखे जाने की जानकारी मिली। बदहवास और बेबस परिजन अपने बच्चों से मिलने थाने पहुंचे। थाने पहुंचने पर उनके साथ पुलिसकर्मियों ने जो सलूक किया उसका वीडियो देख कर लोगों को जहां शर्म आ रही है वहीं पुलिस कर्मियों द्वारा किए गए व्यवहार की लोग भर्त्सना हो रही है। परिवार की महिलाओं के साथ जिस तरह धक्कामुक्की हुई जिससे एक महिला थाने में ही बेहोश होकर गिर पड़ी। थाने में पुलिस की गिरफ्त में बैठे युवक अपने परिवार के साथ होती इस ना इंसाफी पर आंसू बहाते रहे। बताया गया कि यह सब कोतवाली प्रभारी संजय कुमार पांडेय की गैर मौजूदगी में हुई, जहां थाने में मौजूद पुलिसकर्मियों ने सारी हदें पार कर दीं। पुलिसकर्मियों ने युवकों के परिवार के साथ ऐसा व्यवहार किया जैसे वे इंसान नहीं बल्कि कोई मुजरिम हों। अगर कुछ पुलिसकर्मी बीच–बचाव में आगे नहीं आते तो हालात और भी संगीन हो सकते थे।

चार दिन तक बिना नियम थाने में कैसे बिठाए रखा?

परिवार के लोगों को उनके बारे में क्यों नहीं दी गई सूचना

यूनिक समय, मथुरा। सवाल उठता है कि पुलिस ने इन युवकों को चार दिन तक थाने में किस कानून के अंदर हिरासत में रखा और उनके खिलाफ कोई चोरी का सबूत न मिलने पर न तो उन्हें छोड़ा और न ही उनके परिवार को उनके पुलिस हिरासत में होने की सूचना दी।

हालांकि नियमानुसार किसी भी अभियुक्त को गिरफ्तार करने के बाद 24 घंटे के अंदर किसी सक्षम मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना होता है। पुलिस ने इसका भी पालन नहीं किया। इसके साथ ही गिरफ्तार किए जाने वाले व्यक्ति के परिवार के लोगों को उसके गिरफ्तार होने की सूचना तक नहीं दी गई, बल्कि किसी तरह सूचना पाकर थाने आने पर परिवार के लोगों के साथ थाने के मुंशियों सहित अन्य पुलिसकर्मियों द्वारा किस तरह का शर्मनाक व्यवहार किया गया। इस बारे में सीओ सदर से जब जानकारी की गई तो उन्होंने कहा कि उनके संज्ञान में इस तरह का कोई मामला नहीं है।

यमुना संकट पर घेरा सरकार को, ठोस कार्रवाई की मांग

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल से यमुना की शुद्धिकरण के लिए मुलाकात करता प्रतिनिधिमंडल।

प्रतिनिधिमंडल ने जल शक्ति मंत्री से की मुलाकात

यूनिक समय, मथुरा। यमुना मुक्तिकरण अभियान के तहत एक प्रतिनिधि मंडल ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से भेंट कर यमुना शुद्धिकरण पर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि यमुना की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है, जिससे ब्रजवासियों में असंतोष है।

इस दौरान राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के साथ राधाकांत शास्त्री, सुनील सिंह, नीलमणि, रवि मोंगा, भारतीय किसान यूनियन (भानु) के राष्ट्रीय प्रवक्ता हरेश ठेनुआ, तीर्थ पुरोहित महासंघ के पं. यज्ञदत्त चतुर्वेदी और ब्रज क्षेत्र संयोजक पंकज चतुर्वेदी मौजूद रहे।

पंकज चतुर्वेदी ने जल की कमी को प्रमुख कारण बताते हुए चार राज्यों के जल समझौते के अनुसार पानी छोड़े जाने की मांग की। वहीं पं. यज्ञदत्त चतुर्वेदी ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए एसटीपी प्लांट की मॉनिटरिंग और उच्च स्तरीय जांच की मांग रखी। मंत्री सी.आर. पाटिल ने मसानी नाला को प्रदूषण का बड़ा कारण मानते हुए सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

लूट की साजिश रचने के दोषी को 30 माह की कैद

10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

यूनिक समय मथुरा। एडीजे एफटीसी द्वितीय सुशील कुमार की अदालत ने लूट की साजिश रचने के दोषी अभियुक्त को 30 माह के कारावास और 10 हजार रुपये अर्थदण्ड से दंडित किया है।

मुकदमे की पैरवी करने वाले सहायक शासकीय अधिवक्ता नरेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि शहर कोतवाली की कृष्णा नगर पुलिस चौकी के तत्कालीन प्रभारी प्रेम नारायण शर्मा ने 17 जुलाई 2019 को क्षेत्र में गश्त के दौरान राधिका विहार टीवी टावर के पास बने खंडहर के पास से सर्राफा बाजार में चोरी और लूट की साजिश रचते अर्जुनपुरा थाना गोविन्द नगर निवासी विष्णु को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने तलाशी के दौरान उससे तमंचा–कारतूस बरामद किए थे। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे एफटीसी द्वितीय सुशील कुमार की अदालत में हुई। अदालत ने अभियुक्त को लूट की योजना बनाने का दोषी मानते हुए उसे दो वर्ष छह माह की जेल और दस हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया है।

राया में निकाली हनुमानजी की शोभायात्रा

यूनिक समय , राया (मथुरा) । श्री हनुमान जन्मोत्सव पर बुधवार को गणेशबाग स्थित राधारानी मंदिर से बीर बजरंगी की शोभायात्रा निकाली गई। जगह-जगह भक्तजनों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। शोभायात्रा गणेशबाग से प्रारंभ होकर हाथरस मार्ग, कटरा बाजार, रेतिया बाजार, मांट रोड, मथुरा रोड होते हुए मंदिर परिसर पहुंची, दो अप्रैल को प्रातः हवनयज्ञ, सुंदरकांड दोपहर को भंडारे का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल, पूर्व चेयरमैन कृष्णकांत अग्रवाल, राकेश शर्मा, भूपेश अग्रवाल, विशाल पाराशर, महंत राजकुमार शर्मा, रविकुमार श्रीवास्तव, देवेंद्र चौधरी, निरोत्तम प्रसाद अग्रवाल, पवन सारस्वत एवं ब्रजकिशोर अग्रवाल आदि शामिल थे।

मारपीट करने वाले को तीन साल की कैद

यूनिक समय, मथुरा। एसीजेएम तृतीय की अदालत ने गाली गलौज और मारपीट के दोषी को तीन वर्ष की कैद और पांच हजार रुपये अर्थदण्ड से दंडित किया है।

बलदेव पुलिस ने वर्ष 2011 में क्षेत्र के गांव मघना निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू को गाली गलौज और मारपीट के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उसे अदालत में पेश किया। अदालत से उसे जमानत मिल गई। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एसीजेएम तृतीय अदालत में हुई।

अदालत में जितेंद्र के अधिवक्ता ने उसे निर्दोष साबित करने का प्रयास किया, लेकिन एडीजीसी की दलील, पुलिस रिपोर्ट, गवाह और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने उसे दोषी मानते हुए उक्त सजा से दण्डित किया है।

प्रतिभाशाली खिलाड़ी कलश चतुर्वेदी ने जिले का बढ़ाया मान

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा के प्रतिभाशाली खिलाड़ी कलश चतुर्वेदी ने अपनी मेहनत और लगन से एक बड़ी सफलता हासिल कर न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे शहर का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर पिता राजेश चतुर्वेदी, माता सुनीता चतुर्वेदी और कोच अमित शर्मा ने खुशी जताते हुए इसे गर्व का क्षण बताया।

कलश की सफलता के बाद समाज के विभिन्न वर्गों से उन्हें बधाइयों का सिलसिला लगातार जारी है। स्थानीय पार्षद संजय गुप्ता, शिक्षक विनोद मिश्रा और खेल प्रेमी दीपक अग्रवाल सहित कई लोगों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे कलश चतुर्वेदी का यह मुकाम अन्य छात्रों के लिए एक प्रेरणा बनकर उभरा है। उनके अनुशासन और समर्पण की सराहना हर कोई कर रहा है। आशा है कि कलश भविष्य में भी इसी तरह देश और समाज का नाम रोशन करते रहेंगे और नई ऊंचाइयों को छुएंगे।

मन ही मनुष्य के कल्याण और पतन का कारण है : कृष्ण चंद्र

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। केशव धाम में आयोजित श्रीमदभागवत कथा के तृतीय दिवस भागवताचार्य कृष्ण चंद्र शास्त्री ठाकुर जी के श्रीमुख से निसृत प्रभु कथा रसामृत आस्वादन के साथ बड़े ही आनंद पूर्वक सम्पन्न हुआ।

जय – विजय कथा, वराह भगवान चरित्र, मनु – सतरूपा के वंश वर्णन में भक्त ध्रुव व भरत जी महाराज के तीन जन्मों की कथा के साथ – साथ वामन भगवान का प्राकट्य उत्सव तृतीय दिवस की कथा के मुख्य प्रसंग रहे।

भरत जी महाराज की कथा प्रसंग में महाराज श्री ने बताया कि संसार को अपना तन देना लेकिन मन केवल उस प्रभु को अर्पित करो। मन ही मनुष्य के कल्याण और पतन का कारण है। मन ही मनुष्य के बंधन और मोक्ष का कारण भी है।

व्यास पीठ पर विराजमान भागवताचार्य श्रीकृष्ण चंद शास्त्री का स्वागत करते संत बलराम दास महाराज।

प्रभु चरणों के सिवा यदि मन कहीं और उलझा रहा तो महाराज भरत की तरह पशु योनि में जन्म मिलना निश्चित है। दुनिया से प्रेम करो मगर आसक्ति कभी मत रखो। दुनिया में अति आसक्ति ही हमारे बार – बार आवागमन का कारण है। जैसा चिंतन रहेगा वैसी ही गति आपको मिलेगी ये भी निश्चित है। इसलिए आसक्ति ही रखनी है तो उस वृंदावन बिहारी के श्री चरणों में रखो, जिससे आवागमन भी छूटे और ये जीवन भी आनंद के साथ बीते। कथा में आशीर्वचन पूज्य बलराम बाबा का रहा।इस मौके पर वरिष्ठ प्रचारक दिनेश चंद्र, बसेरा ग्रुप के चेयरमैन रामकिशन अग्रवाल, प्रमोद गोयल, राजश्री सोमानी,ललित कुमार, सतीश चंद्र अग्रवाल, कपिल उपाध्याय, अमित जैन, महेश किलानोत, पवन अग्रवाल, कमलेश, संदीप चतुर्वेदी, वैभव अग्रवाल, आचार्य सुधाकर, आचार्य रवीन्द्र शर्मा, कैलाश द्विवेदी, योगेंद्र कुमार, संजय जादौन, ओमप्रकाश बंसल एवं राममोहन शुक्ल उपस्थित थे।

नशीले पाउडर के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मगोर्रा पुलिस ने अभियुक्त दिनेश उर्फ भूली निवासी नगला नारायण सिंह (कोसी खुर्द) को जाजमपट्टी सर्विस रोड के समीप से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उससे तलाशी में 180 ग्राम नशीला पाउडर बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।

शरीर को लचीला बनाने के लिए प्रभावी योगासन और सही तरीका

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और लंबे समय तक बैठकर काम करने की आदत के कारण शरीर में अकड़न और लचीलेपन की कमी एक आम समस्या बन गई है। गलत पोस्चर, कम शारीरिक गतिविधि और लगातार स्क्रीन पर समय बिताने से मांसपेशियां सख्त हो जाती हैं, जिससे दर्द और थकान महसूस होती है। ऐसे में योग एक सरल और असरदार उपाय है, जो शरीर को लचीला बनाने के साथ-साथ मानसिक रूप से भी राहत देता है।

कुछ प्रमुख योगासन जो शरीर की जकड़न दूर करने में मदद करते हैं, उनमें कैट/काऊ पोज शामिल है। यह रीढ़ की हड्डी को वार्म-अप करता है और उसकी लचीलापन बढ़ाता है। बटरफ्लाई पोज कूल्हों की अकड़न को कम करता है और ब्लड सर्कुलेशन सुधारता है। वहीं चाइल्ड्स पोज शरीर को गहरी राहत देता है और पीठ के तनाव को कम करता है। कोबरा पोज खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद है जो झुककर काम करते हैं, क्योंकि यह रीढ़ को मजबूत बनाता है और छाती को खोलता है। सीटेड स्पाइनल ट्विस्ट पीठ की जकड़न दूर करता है और पोस्चर सुधारने में मदद करता है। इसके अलावा ब्रिज पोज हिप्स और लोअर बैक को मजबूत बनाकर शरीर को बेहतर सपोर्ट देता है। इन योगासनों को रोजाना सुबह खाली पेट या शाम को हल्का भोजन करने के 3-4 घंटे बाद करना सबसे अच्छा माना जाता है। अभ्यास करते समय सांसों पर ध्यान देना और धीरे-धीरे करना जरूरी है। नियमित अभ्यास से शरीर में लचीलापन बढ़ता है, दर्द कम होता है और आप अधिक सक्रिय व ऊर्जावान महसूस करते हैं।

अकड़न से राहत दिलाने वाले असरदार योगासन

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी और घंटों बैठकर काम करने की आदत शरीर को सख्त और थका हुआ बना देती है। मांसपेशियों में जकड़न, पीठ दर्द और खराब पोस्चर आम समस्या बन चुके हैं। ऐसे में योग एक आसान और प्राकृतिक उपाय है, जो शरीर को लचीला बनाकर आपको अंदर से फिट रखता है। कैट/काऊ पोज रीढ़ की हड्डी को स्ट्रेच करता है और उसे लचीला बनाता है। बटरफ्लाई पोज़ कूल्हों की जकड़न दूर करता है और ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है। वहीं चाइल्ड्स पोज शरीर को गहराई से रिलैक्स करता है और तनाव कम करता है।

गर्मियों में वजन घटाने के लिए खाएं ज्वार की रोटी मिलेगा तेजी से फायदा

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मियों में डाइट का सही चुनाव वजन घटाने में अहम भूमिका निभाता है। अगर आप मोटापा कम करना चाहते हैं, तो गेहूं की जगह ज्वार के आटे की रोटी खाना शुरू करें। ज्वार की तासीर ठंडी होती है, जो शरीर और पेट को ठंडा रखने में मदद करती है।

ज्वार को न्यूट्रिशन का पावरहाउस माना जाता है। इसमें आयरन, मैग्नीशियम और फास्फोरस जैसे जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं और मांसपेशियों को मजबूत बनाते हैं। खास बात यह है कि ज्वार ग्लूटेन-फ्री होता है, जिससे यह पचने में आसान होता है और एलर्जी वाले लोग भी इसे खा सकते हैं।

ज्वार की रोटी में फाइबर और प्रोटीन भरपूर मात्रा में होता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और ओवरईटिंग से बचाव होता है। अगर आप नियमित रूप से ज्वार की रोटी को अपनी डाइट में शामिल करते हैं, तो 1 महीने में ही वजन कम होने के असर दिखने लगते हैं।

गर्मियों में ठंडक देगा पोइता भात बनाने का आसान तरीका जानें

यूनिक समय, नई दिल्ली। पोइता भात असम की एक पारंपरिक और बेहद हेल्दी रेसिपी है, जिसे खासतौर पर गर्मियों में नाश्ते के रूप में खाया जाता है। यह रात के बचे हुए चावल को पानी में भिगोकर फर्मेंट करके बनाया जाता है, जिससे इसमें प्रोबायोटिक गुण बढ़ जाते हैं और यह पाचन के लिए फायदेमंद बन जाता है।

इसे बनाने के लिए रात में बचे हुए चावल को एक बर्तन में पानी डालकर 6-8 घंटे के लिए भिगो दें। सुबह इसे प्लेट में निकालकर इसमें बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च, नमक और उबला हुआ आलू मिलाएं। ऊपर से थोड़ा कच्चा सरसों का तेल डालकर अच्छी तरह मिक्स करें। चाहें तो इसमें दही या छाछ भी मिला सकते हैं, जिससे स्वाद और पोषण दोनों बढ़ जाते हैं। इसे आलू पिटिका, अचार या तली हुई मछली के साथ परोसा जाता है।

पोइता भात खाने के कई फायदे हैं। यह पाचन को बेहतर बनाता है, कब्ज से राहत देता है और शरीर को ठंडक पहुंचाता है। फर्मेंटेशन के कारण इसमें आयरन, पोटेशियम और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व बढ़ जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन आपको दिनभर एक्टिव और तरोताजा महसूस कराता है।

सफेद बालों को नेचुरली काला करने के लिए अपनाएं ये तेल

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में गलत खान-पान और लाइफस्टाइल की वजह से बाल जल्दी सफेद होने लगे हैं। ज्यादातर लोग हेयर डाई का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसमें मौजूद केमिकल बाल और स्कैल्प को नुकसान पहुंचा सकते हैं। नेचुरल तरीके से बालों को काला बनाने के लिए कुछ खास तेल बहुत असरदार हैं।

नारियल तेल में एक चम्मच कलौंजी डालकर गर्म करें और ठंडा होने पर बालों में लगाएं। यह मेलानिन बढ़ाकर बालों को नेचुरली काला बनाता है। नारियल तेल में सूखे आंवले उबालें। लोहे की कड़ाही में बनाने से आयरन भी मिल जाता है, जो बालों को जड़ से मजबूत और काला बनाता है।

एक महीने खाली पेट पपीता खाने के फायदे, जानकर रह जाएंगे हैरान!

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप रोज सुबह खाली पेट पपीता खाने की आदत बना लें, तो इसका असर सिर्फ पाचन तक सीमित नहीं रहता बल्कि पूरे शरीर पर सकारात्मक बदलाव दिखने लगते हैं। विटामिन्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर पपीता सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। सबसे पहले, यह पाचन को बेहतर बनाता है। इसमें मौजूद पपेन एंजाइम भोजन को जल्दी पचाने में मदद करता है और कब्ज, गैस व अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। वजन घटाने में भी पपीता मददगार है, क्योंकि इसमें कैलोरी कम और फाइबर ज्यादा होता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है और बार-बार भूख नहीं लगती। त्वचा के लिए भी यह किसी वरदान से कम नहीं है।

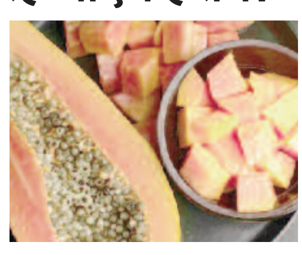

इसमें मौजूद विटामिन सी, ई और बीटा-कैरोटीन स्किन को ग्लोइंग बनाते हैं, दाग-धब्बे कम करते हैं और झुर्रियों को रोकने में मदद करते हैं। इसके अलावा, पपीता इम्यूनिटी बढ़ाता है, जिससे शरीर संक्रमण और बीमारियों से बेहतर तरीके से लड़ पाता है। हृदय स्वास्थ्य के लिए भी यह फायदेमंद है। इसमें मौजूद फाइबर और पोटेशियम कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखने में मदद करते हैं।

मिनटों में बनाएं ठेले वाली चटपटी भेलपुरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर शाम को कुछ चटपटा और हल्का-फुल्का स्नैक खाने का मन हो, तो घर पर ठेले वाली भेलपुरी बनाना बेहद आसान है। इसके लिए 5 कप मुरमुरे हल्का भूनें ताकि वे कुरकुरे हो जाएं।

एक बड़े बाउल में भुने मुरमुरे, बारीक कटा प्याज, टमाटर और उबला आलू डालें। इसमें 2-3 चम्मच हरी चटनी, 2-3 चम्मच इमली की चटनी, काला नमक, चाट मसाला और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं। फिर 2-3 चम्मच भुनी मूंगफली, थोड़ा सेव और चुरचुरी पापड़ी डालें। अंत में 1 चम्मच नींबू का रस और बारीक कटा हरा धनिया डालकर अच्छी तरह मिलाएं। ऊपर से अतिरिक्त सेव और पापड़ी डालकर तुरंत परोसें। यह भेलपुरी मिनटों में तैयार, स्वाद और कुरकुरापन से भरपूर स्नैक है।

घर पर बनाएं शुद्ध किशमिश, जानें आसान तरीका और सही मात्रा

यूनिक समय, नई दिल्ली। घर पर अंगूर से किशमिश बनाना न सिर्फ आसान है, बल्कि यह बाजार में मिलने वाली किशमिश से ज्यादा शुद्ध और केमिकल-फ्री होती है। अगर आप हेल्दी और टेस्टी किशमिश खाना चाहते हैं, तो इसे घर पर आसानी से तैयार कर सकते हैं।

सबसे पहले जान लें कि किशमिश अंगूर का सूखा रूप होती है। सुखाने के दौरान अंगूर का पानी पूरी तरह निकल जाता है, जिससे उसका वजन कम हो जाता है। आमतौर पर 4 किलो ताजे अंगूर से लगभग 1 किलो किशमिश बनती है। शुरुआत के लिए आप 1-2 किलो अंगूर ले सकते हैं। किशमिश बनाने के लिए मीठे और अच्छे अंगूर चुनें। इन्हें धोकर साफ करें और खराब अंगूर अलग कर दें। इसके बाद उबलते पानी में अंगूरों को 2-3 मिनट के लिए डालें। इससे उनकी बाहरी परत नरम हो जाती है और सुखाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है। अब अंगूरों को सूती कपड़े या ट्रे पर फैलाकर धूप में 3-5 दिन तक सुखाएं। ध्यान रखें कि उन्हें धूल और मक्खियों से बचाने के लिए हल्के कपड़े से ढक दें।

अगर जल्दी बनाना हो, तो ओवन में कम तापमान पर भी सुखा सकते हैं। जब अंगूर पूरी तरह सूखकर सिकुड़ जाएं, तो आपकी किशमिश तैयार है। इसे ठंडा करके एयरटाइट जार में स्टोर करें और लंबे समय तक इस्तेमाल करें।

खीरे से पाएं हाइड्रेटेड और ग्लोइंग स्किन

यूनिक समय, नई दिल्ली। डल और बेजान त्वचा में जान डालने और उसे तुरंत हाइड्रेटेड रखने के लिए, खीरा एक बेहतरीन प्राकृतिक उपाय है। इसमें पानी और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करते हैं। आधे खीरे को पीसकर उसमें एक चम्मच एलोवेरा जेल मिलाएं। इसे 20-30 मिनट तक चेहरे पर लगाकर रखें और फिर धो लें। यह त्वचा को गहराई से नमी देता है और उसे सॉफ्ट

बनाता है। 2 इंच कद्दूकस किए हुए खीरे को आधी कटोरी दही और थोड़े से बेसन के साथ मिलाकर 10 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। यह टैनिंग कम करता है और त्वचा को मुलायम बनाता है। खीरे को पानी में 5-7 मिनट उबालें, ठंडा करके ब्लेंड करें और छान लें। इसे स्प्रे बोतल में भरकर फ्रिज में रखें और टोनर की तरह इस्तेमाल करें। खीरे के स्लाइस या पल्प को सीधे चेहरे पर 15-20 मिनट के लिए लगाएं।

पनीर भुर्जी में सत्तू का ट्विस्ट प्रोटीन से भरपूर हेल्दी डिश

यूनिक समय, नई दिल्ली। पनीर भुर्जी को तो आपने कई बार खाया होगा, लेकिन इसमें सत्तू डालकर इसे और सेहतमंद बनाया जा सकता है। पनीर और सत्तू का मिश्रण प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत है, जो इसे सुपरफूड कॉम्बिनेशन में बदल देता है। यह डिश न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि पोषण से भी भरपूर है।

सामग्री- पनीरः 250 ग्राम (मैश किया हुआ), सत्तूः 2 बड़े चम्मच, प्याजः 2 मध्यम (बारीक कटा हुआ), टमाटरः 1 बड़ा (बारीक कटा हुआ), हरी मिर्चः 2 (बारीक कटी हुई), अदरक-लहसुन का पेस्टः 1 छोटा चम्मच, पाव भाजी मसालाः 1 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडरः 1/4 छोटा चम्मच

लाल मिर्च पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच, हरा धनियाः बारीक कटा हुआ, तेल या बटरः 2 बड़े चम्मच, नमकः स्वादानुसार

बनाने की विधि- सबसे पहले सत्तू को बिना तेल के 2 मिनट धीमी आंच पर भूनें। कड़ाही में तेल/बटर गरम करें, जीरा और प्याज डालकर सुनहरा भूनें। अदरक-लहसुन पेस्ट, हरी मिर्च और टमाटर डालकर नरम होने तक पकाएं। हल्दी, मिर्च पाउडर, नमक और पाव भाजी मसाला डालें। थोड़ा पानी छिड़कें। भुने हुए सत्तू और मैश किया हुआ पनीर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। धीमी आंच पर 2-3 मिनट पकाएं। ऊपर से हरा धनिया डालें। जरूरत हो तो एक चम्मच बटर डाल सकते हैं। गरमा-गरम पाव या लच्छा पराठा के साथ परोसें। यह डिश स्वाद और पोषण दोनों में बेहतरीन है।

भारत का स्वर्ग कश्मीरः अप्रैल में घूमने का परफेक्ट डेस्टिनेशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप गर्मियों की शुरुआत में किसी ऐसी जगह घूमने का प्लान बना रहे हैं, जहां ठंडी हवा, बर्फ से ढकी पहाड़ियां, हरे-भरे मैदान और सुकून भरा माहौल मिले, तो कश्मीर आपके लिए सबसे बेहतरीन विकल्प है। "धरती का स्वर्ग" कहे जाने वाले इस खूबसूरत राज्य की प्राकृतिक सुंदरता हर किसी का दिल जीत लेती है। यहां की वादियां, झीलें और बर्फीले नजारे एक अलग ही दुनिया का एहसास कराते हैं।

अप्रैल का महीना कश्मीर घूमने के लिए सबसे शानदार समय माना जाता है। इस दौरान सर्दी कम होने लगती है और घाटियों में हरियाली छा जाती है। चारों ओर रंग-बिरंगे फूल खिल उठते हैं, जिससे पूरा माहौल बेहद खूबसूरत लगने लगता है। तापमान लगभग 8 से 18 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है, जो घूमने के लिए बिल्कुल अनुकूल होता है। इसी समय यहां प्रसिद्ध ट्यूलिप फेस्टिवल भी आयोजित होता है, जहां लाखों ट्यूलिप फूलों की रंगीन छटा देखने को मिलती है। यह नजारा पर्यटकों के लिए किसी जादू से कम नहीं होता। कश्मीर की यात्रा की शुरुआत श्रीनगर से होती है, जो अपनी खूबसूरत झीलों और हाउसबोट्स के लिए मशहूर है। यहां स्थित डल झील में शिकारा राइड करना एक यादगार अनुभव होता है। पानी पर तैरते घरों (हाउसबोट्स) में ठहरना आपकी यात्रा को और भी खास बना देता है। अगर आप बर्फ का आनंद लेना चाहते हैं, तो गुलमर्ग जरूर जाएं। यहां की गोंडोला राइड और चारों ओर फैली बर्फ पर्यटकों को खूब आकर्षित करती है। इसके अलावा पहलगाम अपनी शांत वादियों, हरे-भरे मैदानों और बहती नदियों के लिए जाना जाता है। यह जगह फैमिली और कपल्स दोनों के लिए परफेक्ट है। कुल मिलाकर, अगर आप इस अप्रैल में ऐसी जगह जाना चाहते हैं जहां प्राकृतिक सुंदरता, सुकून और रोमांच तीनों का अनुभव एक साथ मिले, तो कश्मीर से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। यहां की वादियां, ठंडी हवाएं और खूबसूरत नजारे आपकी यात्रा को हमेशा के लिए यादगार बना देंगे।

सुविचार

प्रार्थना ऐसे करो जैसे सब कुछ भगवान पर निर्भर करता है और प्रयास ऐसे करो जैसे सब कुछ आप पर निर्भर करता है...

कल का पंचांग

तिथि	पूर्णिमा	06:56-07:06 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	हस्त	4:17- 05:38 तक	माह	चैत्र
सूर्योदय		6:12 AM	चन्द्रोदय	6:59 PM
सूर्यास्त		6:33 PM	चंद्रास्त	6:00 AM
सूर्य राशि		मीन राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	05:01-06:05
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		1:55 PM: 3:27 PM	वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

हनुमान जयंती : भक्ति, शक्ति और संकट मोचन का महापर्व

बजरंगबली की कृपा पाने के आसान उपाय

यूनिक समय, मथुरा। हनुमान जयंती भगवान हनुमान के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाने वाला एक अत्यंत पावन पर्व है। यह दिन भक्ति, संयम और श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। हनुमान जी को श्री राम का परम भक्त माना जाता है, इसलिए इस दिन राम नाम जप और हनुमान आराधना का विशेष महत्व होता है। इस दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। विशेष रूप से लाल, पीले या केसरिया रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। पूजा के दौरान हनुमान चालीसा, बजरंग बाण और सुंदरकांड का पाठ करना अत्यंत फलदायी होता है, जिससे मानसिक शांति और आत्मबल प्राप्त होता है। हनुमान जी को चमेली के तेल में मिला

हुआ सिंदूर अर्पित करें, जिसे "सिंदूर का चोला" कहा जाता है। इसके साथ ही बूंदी या बेसन के लड्डू, चूरमा आदि का भोग लगाना भी शुभ माना गया है। इस दिन दान–पुण्य का विशेष महत्व है–बंदरों को गुड़–चना खिलाएं और जरूरतमंदों को भोजन या वस्त्र दान करें। इसके अलावा, "राम" नाम का जप करना अत्यंत लाभकारी माना जाता है, क्योंकि मान्यता है कि हनुमान जी वहीं निवास करते हैं जहां राम नाम का स्मरण होता है। हनुमान जयंती के दिन ब्रह्मचर्य का पालन करना आवश्यक माना गया है। काले या सफेद वस्त्र पहनने से बचें और पूजा के समय शुद्धता का विशेष ध्यान रखें। इस दिन क्रोध, विवाद और अपशब्दों से दूर रहें, क्योंकि यह दिन शांति और सकारात्मकता का प्रतीक है। खंडित या टूटी हुई मूर्ति की

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

पूजा नहीं करनी चाहिए। साथ ही, तामसिक भोजन जैसे मांस, मदिरा, प्याज और लहसुन का सेवन पूरी तरह वर्जित माना गया है। यदि परिवार में सूतक की स्थिति हो (जन्म या मृत्यु), तो केवल मानसिक रूप से जप करें और मूर्ति को स्पर्श न करें। हनुमान जयंती पर व्रत रखना अत्यंत पुण्यकारी माना जाता है। इस दिन "ॐ हं हनुमते नमः" मंत्र का जप करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और आत्मविश्वास बढ़ता है। शाम के समय हनुमान मंदिर में सरसों के तेल का दीपक जलाकर उसमें दो लौंग डालना विशेष रूप से संकट निवारण के लिए लाभकारी माना जाता है।

अधिक मास के पवित्र महीने में करें ये पांच शुभ कार्य

यूनिक समय, मथुरा। भगवान विष्णु को समर्पित अधिक मास, जिसे पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है, हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। यह मास लगभग हर तीन वर्ष में एक बार आता है और इसका उद्देश्य सौर वर्ष (365 दिन) और चंद्र वर्ष (354 दिन) के बीच के अंतर को संतुलित करना होता है। इस अंतर को पूरा करने के लिए एक अतिरिक्त माह जोड़ा जाता है, जिसे अधिक मास कहा जाता है। वर्ष 2026 में अधिक मास ज्येष्ठ मास में पड़ रहा है, इसलिए इसे "अतिरिक्त ज्येष्ठ मास" कहा जाएगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस माह में विवाह, गृह प्रवेश या मुंडन जैसे मांगलिक कार्य वर्जित माने जाते हैं, लेकिन पूजा–पाठ, दान और साधना का फल कई गुना अधिक प्राप्त होता है। इस मास को "पुरुषोत्तम मास" इसलिए कहा

जाता है क्योंकि इसका अधिपति स्वयं भगवान विष्णु को माना गया है। मान्यता है कि इस दौरान किए गए धार्मिक कार्य सामान्य दिनों की तुलना में दस गुना अधिक फल देते हैं। इस समय भक्ति, तप और दान के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन के पापों का नाश कर सकता है और आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त कर सकता है। इस माह में तीर्थ स्थलों पर स्नान और सेवा करना अत्यंत पुण्यकारी माना गया है। विशेष रूप से जगन्नाथ पुरी को पुरुषोत्तम क्षेत्र कहा जाता है, जिसे धरती का वैकुंठ माना गया है।

यदि वहां जाना संभव न हो, तो गंगा या अन्य पवित्र नदियों में स्नान करें और मंदिरों में सेवा करें। भगवान श्रीकृष्ण और विष्णु के अन्य अवतारों की पूजा इस माह में विशेष फलदायी होती है। श्रीमद्भगवद्गीता, भागवत कथा और विष्णु के नृसिंह स्वरूप की आराधना करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं। इस पूरे महीने घर के मंदिर में घी का अखंड दीपक जलाना शुभ माना जाता है। यदि शालिग्राम की मूर्ति हो तो उसके समक्ष दीपक जलाएं, अन्यथा भगवान विष्णु के चित्र के सामने दीप प्रज्वलित करें।

इससे घर में सुख–शांति और समृद्धि आती है। इस मास में श्रीमद्भागवत, विष्णु सहस्त्रनाम, गीता और अन्य पौराणिक ग्रंथों का पाठ विशेष लाभकारी होता है। इससे मन की शुद्धि होती है और आध्यात्मिक ज्ञान की प्राप्ति होती है। अधिक मास में व्रत रखना और सात्विक भोजन करना अत्यंत आवश्यक माना गया है। एक समय भोजन करें और उसमें गेहूं, चावल, मूंग, फल, दूध आदि का सेवन करें। मांस, मदिरा, प्याज, लहसुन और बासी भोजन से पूरी तरह परहेज करें।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 5 अप्रैल, दिन रविवार: विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवार: वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवार: बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवार: बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवार: दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवार: अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवार: संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवार: मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवार: भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई, दिन शुक्रवार: वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई, दिन मंगलवार: एकदन्त संकष्टी
- 13 मई, दिन बुधवार: अपरा एकादशी
- 14 मई, दिन बृहस्पतिवार: गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई, दिन शुक्रवार: ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई, दिन शनिवार: ज्येष्ठ अमावस्या, पहली शनि अमावस्या
- 20 मई, दिन बुधवार: वरद चतुर्थी
- 27 मई, दिन बुधवार: पद्मिनी एकादशी
- 28 मई, दिन बृहस्पतिवार: गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई, दिन शनिवार: ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

कल का राशिफल

मेष राशि: समय चुनौतीपूर्ण हो सकता है, मेहनत के बावजूद फल कम मिले। रूटीन संतुलित रखें और सावधानी बरतें।

वृषभ राशि: रियल एस्टेट और प्रॉपर्टी में फायदेमंद डील हो सकती है। आय में वृद्धि के संकेत हैं, लेकिन वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है।

मिथुन राशि: नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिल सकती है। नई जिम्मेदारियां मिलेंगी, मेहनत का अच्छा फल मिलेगा।

कर्क राशि: दिन सामान्य रहेगा, लेकिन काम को टालने से बचें। वाणी पर संयम रखें।

सिंह राशि: बिजनेस में लाभ और नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बढ़ेगा, काम समय पर पूरा होगा।

कन्या राशि: मेहनत के बावजूद कार्य समय पर पूरे नहीं होंगे। विरोधियों से सावधान रहें, पेट संबंधी समस्या हो सकती है।

तुला राशि: करियर में बड़ी उपलब्धि मिल सकती है। रोमांस के लिए अच्छा समय है, लेकिन परिवार से मतभेद हो सकते हैं।

वृश्चिक राशि: किस्मत का साथ मिलेगा। अटके हुए काम पूरे होंगे, समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा।

धनु राशि: रुका हुआ काम पूरा होगा। प्रेम संबंध मजबूत होंगे और पार्टनर से सपोर्ट मिलेगा।

मकर राशि: आर्थिक उन्नति होगी। शत्रु मित्रवत व्यवहार करेंगे, व्यापार में लाभ होगा।

कुंभ राशि: रियल एस्टेट में लाभ के योग हैं। परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा, रुका पैसा मिल सकता है।

मीन राशि: जमीन–जायदाद में लाभ होगा। आत्मविश्वास से भरे रहेंगे, घर में खुशी का माहौल रहेगा।

घर में रखें सही कछुआ और पाएं धन, शांति व सफलता का आशीर्वाद

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु और फेंग शुई के अनुसार कछुआ (टॉर्टोइस) को दीर्घायु, स्थिरता, सुरक्षा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। घर या कार्यस्थल में कछुआ रखने की परंपरा काफी पुरानी है, लेकिन सही प्रकार और सही दिशा का चुनाव करना बेहद जरूरी है। तांबे और क्रिस्टल-दोनों तरह के कछुए अलग-अलग उद्देश्यों के लिए लाभकारी माने जाते हैं। आइए जानते हैं कि आपकी मनोकामना के अनुसार कौन सा कछुआ आपके लिए अधिक शुभ रहेगा।

तांबे का कछुआ विशेष रूप से धन, समृद्धि और करियर में सफलता के लिए उपयुक्त माना जाता है। यह घर या ऑफिस में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है और आर्थिक स्थिरता प्रदान करने में सहायक होता है। यदि आप व्यापार में वृद्धि या नौकरी में तरक्की चाहते हैं, तो इसे दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखना शुभ माना जाता है।

इसे ऑफिस, दुकान या कार्यस्थल पर रखने से लाभ और अवसर बढ़ते हैं। घर में तिजोरी, कैश बॉक्स या पूजा स्थान के पास रखने से धन वृद्धि के संकेत मिलते हैं। आर्थिक समृद्धि और धन लाभ में सहायक, नकारात्मक ऊर्जा को कम करता है, करियर और व्यवसाय में सफलता के रास्ते खोलता है, क्रिस्टल का कछुआ मानसिक

शांति, स्वास्थ्य और पारिवारिक सुख-शांति के लिए बेहतर माना जाता है। यह सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है और घर के वातावरण को शांत और संतुलित बनाता है। यदि आपकी प्राथमिकता मानसिक शांति या पारिवारिक संबंधों में सुधार है, तो इसे उत्तर या पूर्व दिशा में रखें। इसे बेडरूम, लिविंग रूम या ध्यान स्थल पर रखने से मानसिक तनाव कम होता है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में भी इसे उपयोगी माना जाता है। कछुआ चुनते समय केवल उसका प्रकार ही नहीं, बल्कि उसकी दिशा, स्थिति और संख्या भी महत्वपूर्ण होती है।

दिशा का ध्यान रखें– कछुए को हमेशा इस तरह रखें कि उसका मुख घर के अंदर की ओर हो। इससे सकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश करती है। **सही स्थान और स्थिति**- कछुआ हमेशा साफ-सुथरे स्थान पर रखें। उसका सिर ऊपर और आगे की ओर होना चाहिए, जिससे वह उन्नति का प्रतीक बने।

रंग और सामग्री का चयन– तांबे का कछुआ सुनहरे या पीले रंग का होता है, जो धन और शक्ति का प्रतीक है।

क्रिस्टल कछुआ पारदर्शी होता है, जो शांति और शुद्धता का संकेत देता है। **कछुओं की संख्या–** आमतौर पर एक कछुआ रखना शुभ माना जाता है, लेकिन कुछ मान्यताओं के अनुसार 8 कछुए एक साथ रखने से विशेष लाभ मिलता है, खासकर समृद्धि और उन्नति के लिए।

कौन सा कछुआ आपके लिए सही? धन, व्यवसाय और करियर में सफलता चाहते हैं? तांबे का कछुआ चुनें, मानसिक शांति, स्वास्थ्य और पारिवारिक सुख चाहते हैं? क्रिस्टल का कछुआ बेहतर रहेगौं। यदि आप अपनी मनोकामना के अनुसार सही कछुए का चुनाव करते हैं और उसे उचित स्थान पर रखते हैं, तो जीवन में सकारात्मक बदलाव अनुभव कर सकते हैं।

सम्पादकीय

नक्सल मुक्त भारत: बड़ी सफलता के बाद अब नई चुनौतियां

भारत में नक्सलवाद के समाप्त होने की घोषणा देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि मानी जा रही है। वर्षों से हिंसा और अस्थिरता का सामना कर रहे कई राज्यों में अब शांति और विकास की नई उम्मीद जगी है। अमित शाह के नेतृत्व में चलाए गए अभियानों और रणनीतियों ने इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभाई है। इससे अब देश के दूर-दराज के इलाकों में रहने वाले लोग भयमुक्त जीवन जी सकेंगे और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगार के अवसरों का लाभ उठा पाएंगे।

नक्सलवाद लंबे समय से भारत के लिए एक गंभीर आंतरिक सुरक्षा खतरा रहा है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्यों के आदिवासी क्षेत्रों में इसका गहरा प्रभाव देखने को मिला। इन इलाकों में नक्सलियों ने न केवल सुरक्षा बलों को निशाना बनाया, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था को भी चुनौती दी। विशेष रूप से बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों ने समानांतर सत्ता स्थापित करने की कोशिश की, जिससे विकास कार्य बाधित हुए और आदिवासी समाज लंबे समय तक भय और असुरक्षा के माहौल में जीता रहा। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पाईं। नक्सलवाद के कमजोर होने के पीछे सुरक्षा बलों की कड़ी मेहनत और रणनीतिक दृष्टिकोण महत्वपूर्ण रहा है। अमित शाह ऐसे पहले गृहमंत्री माने जाते हैं जिन्होंने खुद नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर सुरक्षाबलों का मनोबल बढ़ाया। इसके साथ ही "सोशल पुलिसिंग" की रणनीति ने भी अहम भूमिका निभाई। सुरक्षाबलों ने केवल सैन्य कार्रवाई पर निर्भर रहने के बजाय स्थानीय आदिवासी समुदायों के साथ विश्वास का रिश्ता बनाया। गांवों में चिकित्सा शिविर, शिक्षा सहायता और जागरूकता अभियान चलाकर लोगों के बीच सकारात्मक माहौल बनाया गया। इससे आदिवासियों का भरोसा बढ़ा और उन्होंने नक्सलियों के खिलाफ सहयोग करना शुरू किया। नक्सलवाद के कमजोर पड़ने के बाद अब इन क्षेत्रों में विकास की गति तेज होने की उम्मीद है। जिन इलाकों में पहले हिंसा का डर था, वहां अब सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार संभव होगा। खनिज संसाधनों से भरपूर क्षेत्रों–जैसे दंतेवाड़ा, सुकमा और गडचिरोली–में अब निवेश और आर्थिक गतिविधियों के बढ़ने की संभावना है। इससे स्थानीय लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा और उन्हें रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। आदिवासी समाज को मुख्यधारा से जोड़ने का मार्ग भी अब आसान होता दिख रहा है। हालांकि नक्सलवाद के समाप्त होने के बाद असली परीक्षा अब शुरू होती है। सबसे बड़ी चुनौती विकास और आदिवासी अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखने की है।

पवन गौतम
संपादक

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

खाली होते शस्त्रागार और महंगा डिफेंस

क्या बदल रही है अमेरिका-इजराइल की 'अजेयता' की परिभाषा?

व्रिजेन्द्र सिंह झाला

मध्य-पूर्व में चल रहे हालिया संघर्षों ने वैश्विक सैन्य शक्ति की पारंपरिक अवधारणाओं को चुनौती दी है। दशकों तक संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल को तकनीकी श्रेष्ठता, मजबूत खुफिया तंत्र और सटीक सैन्य अभियानों के कारण लगभग "अजेय" माना जाता रहा। लेकिन ईरान द्वारा लगातार बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन हमलों ने इस धारणा में नई बहस छेड़ दी है। सवाल यह नहीं कि इन देशों की शक्ति खत्म हो रही है, बल्कि यह कि क्या उनकी सैन्य रणनीति और उसकी टिकाऊ क्षमता अब नए दबावों के दौर में प्रवेश कर रही है।

21वीं सदी का युद्ध पारंपरिक युद्धों से काफी अलग है। अब केवल सैन्य ताकत या अत्याधुनिक हथियार ही निर्णायक नहीं हैं, बल्कि उनकी निरंतर उपलब्धता और पुनःपूर्ति भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। हालिया संघर्षों में देखा गया कि इंटरसेप्टर मिसाइलें, जो दुश्मन के हमलों को रोकने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं, बहुत तेजी से खर्च हो रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ ही हफ्तों में हजारों ड्रोन और सैकड़ों मिसाइलों के जवाब में अमेरिका और उसके सहयोगियों को बड़ी संख्या में इंटरसेप्टर्स का उपयोग करना पड़ा। इसका सीधा अर्थ है कि आधुनिक युद्ध अब "फायरपावर" से ज्यादा "री–लोड पावर" पर निर्भर हो गया है। हालिया घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कोई भी एयर डिफेंस सिस्टम 100 प्रतिशत अभेद्य नहीं होता। चाहे वह कितनी भी उन्नत तकनीक पर आधारित क्यों न हो, हर सिस्टम की अपनी सीमाएं होती हैं।

इज़राइल, जिसे दुनिया के सबसे मजबूत एयर डिफेंस नेटवर्क वाले देशों में गिना जाता है, वहां भी कुछ मिसाइलें संवेदनशील क्षेत्रों तक पहुंचने में सफल रहीं। इससे "पूर्ण सुरक्षा" की धारणा पर सवाल उठने लगे हैं। यह एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संदेश है कि

भविष्य के युद्धों में "लीक–प्रूफ डिफेंस" संभव नहीं है। आधुनिक युद्ध में सबसे बड़ी चुनौती केवल दुश्मन से लड़ना नहीं, बल्कि अपने संसाधनों को बनाए रखना है। अमेरिका जैसे देश, जिनका रक्षा बजट लगभग 900 बिलियन डॉलर है, भी इस समस्या से अछूते नहीं हैं। तेजी से खर्च हो रहे इंटरसेप्टर्स, मिसाइलें और अन्य उच्च–तकनीकी हथियार यह संकेत देते हैं कि सैन्य भंडार (स्टॉकपिले) सीमित हैं। इन्हें दोबारा भरने में समय और संसाधन दोनों लगते हैं। यह स्थिति विशेष रूप से तब और जटिल हो जाती है, जब एक देश को एक साथ कई मोर्चों–जैसे यूरोप, इंडो–पैसिफिक, मध्य–पूर्व–पर अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखनी होती है। आधुनिक युद्ध का सबसे बड़ा विरोधाभास "कॉस्ट–एक्सचेंज रेशियो" है। यानी हमले की लागत और बचाव की लागत के बीच का अंतर। आज एक साधारण ड्रोन या शॉर्ट–रेंज मिसाइल की लागत बहुत कम होती है, जबकि उसे रोकने के लिए इस्तेमाल होने वाले इंटरसेप्टर की कीमत कई गुना ज्यादा होती है। उदाहरण के तौर पर, एक महंगी इंटरसेप्टर मिसाइल को अक्सर एक बेहद सस्ते ड्रोन को गिराने के लिए इस्तेमाल करना पड़ता है। इसका मतलब है कि दुश्मन कम लागत में ज्यादा नुकसान पहुंचाने की रणनीति अपना सकता है, जिसे "सैचुरेशन अटैक" कहा जाता है–यानी बड़ी संख्या में सस्ते हथियारों से हमला करके महंगे रक्षा तंत्र को थका देना। अमेरिका की सैन्य रणनीति केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। उसे एक साथ कई क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बनाए रखनी पड़ती है–जैसे यूरोप में नाटो सहयोग, इंडो–पैसिफिक में चीन की चुनौती, और मध्य–पूर्व में स्थिरता बनाए रखना। इस बहु–क्षेत्रीय प्रतिबद्धता का सीधा असर उसके सैन्य संसाधनों पर पड़ता है। एक क्षेत्र में बढ़ते तनाव का मतलब है कि अन्य क्षेत्रों के लिए उपलब्ध संसाधन सीमित हो सकते हैं।

हथियारों का उत्पादन केवल तकनीक का मामला नहीं है, बल्कि यह एक जटिल औद्योगिक प्रक्रिया है, जिसमें दुर्लभ धातुएं, सेमीकंडक्टर्स, और उच्च–स्तरीय इंजीनियरिंग शामिल होती है। वर्तमान समय में इन सभी क्षेत्रों में सप्लाई चेन की चुनौतियां सामने आ रही हैं। उत्पादन क्षमता मांग के अनुरूप तेजी से नहीं बढ़ पा रही है, जिससे हथियारों की कमी का खतरा बढ़ जाता है। इसी कारण रक्षा कंपनियां अब उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रही हैं, ताकि भविष्य के संभावित संघर्षों के लिए पर्याप्त भंडार सुनिश्चित किया जा सके। आने वाले समय में युद्ध केवल युद्धक्षेत्र में नहीं, बल्कि फैक्ट्रियों और सप्लाई चेन में भी लड़ा जाएगा। जो देश तेजी से हथियार बना सकेगा और अपनी सप्लाई चेन को सुरक्षित रख सकेगा, वही लंबे समय तक अपनी सैन्य शक्ति बनाए रख पाएगा। यह बदलाव पारंपरिक युद्ध रणनीतियों से एक बड़ा परिवर्तन है। अब "टेक्नोलॉजी एडवांटेज" के साथ–साथ "मैन्युफैक्चरिंग स्पीड" भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। इजराइल की सैन्य ताकत उसकी तकनीकी श्रेष्ठता और खुफिया क्षमताओं पर आधारित है। लेकिन लंबे समय तक चलने वाले संघर्ष में वह काफी हद तक अमेरिकी सप्लाई चेन पर निर्भर हो जाता है। इसका मतलब है कि यदि अमेरिका की उत्पादन क्षमता या सप्लाई चेन प्रभावित होती है, तो इसका सीधा असर इजराइल की सैन्य क्षमता पर भी पड़ सकता है। सीधा उत्तर है–पूरी तरह नहीं। अमेरिका और इजराइल के पास आज भी कई ऐसी क्षमताएं हैं, जो उन्हें अन्य देशों से आगे रखती हैं: अत्याधुनिक खुफिया और निगरानी प्रणाली, साइबर और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध में बढ़त, स्टेल्थ तकनीक वाले लड़ाकू विमान, सैटेलाइट आधारित निगरानी, मजबूत वैश्विक गठबंधन नेटवर्क, लेकिन पहली बार यह स्पष्ट हुआ है कि उनकी सबसे कमजोर कड़ी युद्धक्षेत्र नहीं, बल्कि उनकी लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन हो सकती है। यह कहना गलत होगा कि अमेरिका या इज़राइल की शक्ति घट रही है। बल्कि यह कहना अधिक सही होगा कि उनकी सैन्य रणनीति एक नए चरण में प्रवेश कर रही है–जहां उन्हें अपनी कमजोरियों का प्रबंधन करना होगा।

अब फोकस केवल दुश्मन को हराने पर नहीं, बल्कि अपने संसाधनों को लंबे समय तक बनाए रखने पर भी होगा। आने वाले वर्षों में वैश्विक सैन्य शक्ति की परिभाषा बदल सकती है। वह देश अधिक शक्तिशाली माना जाएगा जो तेजी से हथियारों का उत्पादन कर सके, अपनी सप्लाई चेन को सुरक्षित रख सके, सहयोगी देशों के साथ मिलकर उत्पादन कर सके, कम लागत वाले रक्षा समाधान विकसित कर सके, लेजर और डायरेक्टेड–एनर्जी जैसे नए सिस्टम इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

विचार विण्डो

अगर 2026 मिडटर्म चुनाव हार गए डोनाल्ड ट्रंप, तो क्या होगा?

रवीन्द्र गुप्ता

डोनाल्ड ट्रंप के लिए 2026 के मिडटर्म चुनाव किसी बड़ी परीक्षा से कम नहीं माने जा रहे हैं। अमेरिकी मिडटर्म चुनाव 2026 तीन नवंबर 2026 को होने वाले हैं, जिनमें अमेरिकी संसद (कांग्रेस) के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की सभी 435 सीटों और सीनेट की 35 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों के नतीजे ट्रंप के शेष कार्यकाल और अमेरिकी राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वर्तमान में चुनाव प्रक्रिया 'प्राइमरी' चरण में है, जिसकी शुरुआत तीन मार्च से हो चुकी है और यह सितंबर तक चलेगी। इस बीच ट्रंप की लोकप्रियता में गिरावट, बढ़ती महंगाई और ईरान के साथ तनाव जैसे मुद्दे उनकी पार्टी के लिए चुनौती बनते जा रहे हैं।

यदि ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी मिडटर्म चुनाव हार जाती है और डेमोक्रेटिक पार्टी को हाउस और सीनेट दोनों में बहुमत मिल जाता है, तो ट्रंप 'लेम डक' स्थिति में आ सकते हैं। इसका अर्थ है कि उनके पास राष्ट्रपति पद तो रहेगा, लेकिन वास्तविक निर्णय लेने की शक्ति काफी सीमित हो जाएगी। ऐसी स्थिति में वे अपनी नीतियों और कानूनों को आसानी से लागू नहीं कर पाएंगे, क्योंकि हर बड़े फैसले के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होती है।

ट्रंप प्रशासन की आक्रामक विदेश नीति, खासकर ईरान और मध्य–पूर्व को लेकर, मिडटर्म हार के बाद प्रभावित हो सकती है। सैन्य अभियानों और रक्षा बजट पर अंतिम निर्णय कांग्रेस का होता है। यदि विपक्ष का नियंत्रण बढ़ता है, तो वह युद्ध संबंधी खर्चों को रोक सकता है या सीमित कर सकता है। इसके अलावा, ईरान नीति और सैन्य कार्रवाई को लेकर संसदीय जांच भी शुरू हो सकती है, जिससे ट्रंप सरकार की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मिडटर्म चुनाव में हार के बाद ट्रंप प्रशासन के खिलाफ जांचों का सिलसिला तेज हो सकता है। डेमोक्रेट्स बहुमत में आते ही ट्रंप के फैसलों, व्यापारिक गतिविधियों और

सरकारी नीतियों की गहन जांच कर सकते हैं। यदि किसी भी मामले में गंभीर आरोप साबित होते हैं, तो ट्रंप पर महाभियोग चलाने की संभावना भी बन सकती है। हालांकि महाभियोग सफल होना अलग प्रक्रिया है, लेकिन इससे राजनीतिक दबाव काफी बढ़ जाता है।

इमिग्रेशन नीति में बदलाव और बॉर्डर वॉल निर्माण के लिए फंड मिलना मुश्किल हो जाएगा।

व्यापार नीतियों, टैरिफ और नए आर्थिक फैसलों पर रोक लग सकती है। नए जजों और कैबिनेट मंत्रियों की नियुक्ति में भी बाधाएं आएंगी, खासकर यदि सीनेट में विपक्ष का बहुमत हो। इसका सीधा असर ट्रंप के शासन की गति और दिशा पर पड़ेगा। हाल के समय में अमेरिका में बढ़ती महंगाई, ईंधन की कीमतों में वृद्धि और युद्ध जैसी स्थितियों को लेकर जनता में असंतोष बढ़ा है। वॉशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क, लॉस एंजिल्स और शिकागो जैसे बड़े शहरों में विरोध प्रदर्शन भी देखे गए हैं। यदि यह असंतोष चुनावी परिणामों में बदलता है, तो यह ट्रंप प्रशासन के खिलाफ एक तरह का 'जनादेश' माना जाएगा।

मिडटर्म चुनाव को अक्सर राष्ट्रपति के कार्यकाल के प्रदर्शन का आकलन माना जाता है। यदि ट्रंप की पार्टी को हार मिलती है, तो यह 2028 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी के लिए नकारात्मक संकेत हो सकता है। हालांकि ट्रंप स्वयं अगले राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार नहीं बन सकते, लेकिन उनकी राजनीतिक पकड़ और पार्टी पर प्रभाव जरूर कमजोर पड़ सकता है।

इससे पार्टी के भीतर नए नेतृत्व की मांग उठ सकती है। हार के बाद रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी असंतोष बढ़ सकता है। पार्टी के कई नेता ट्रंप की रणनीतियों और नीतियों पर सवाल उठा सकते हैं। इससे पार्टी में आंतरिक मतभेद बढ़ने की संभावना है। यह स्थिति भविष्य की राजनीतिक रणनीतियों को प्रभावित कर सकती है और पार्टी को नए नेतृत्व या नई दिशा की ओर ले जा सकती है।

आईपीएल 2026: जीत के बाद भी सजा

बीसीसीआई ने श्रेयस अय्यर पर लगाया 12 लाख का जुर्माना

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल में पहली बार सख्ती दिखाते हुए बीसीसीआई ने पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में स्लो ओवर रेट (धीमी ओवर गति) के कारण की गई।

आईपीएल के चौथे मैच में पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस आमने-सामने थे। मैच के दौरान पंजाब टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाई, जो लीग के नियमों का उल्लंघन है। चूंकि यह इस सीजन में टीम की पहली गलती थी, इसलिए कप्तान अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आईपीएल में हर टीम को निर्धारित समय में अपने ओवर पूरे करने होते हैं। ऐसा न करने पर कप्तान पर जुर्माना लगाया जाता है। पहली गलती पर 12 लाख रुपये का दंड तय है, जबकि दोबारा गलती होने पर जुर्माना बढ़ जाता है और पूरी टीम भी इसके दायरे में आ सकती है। गौरतलब है कि पहले ऐसे मामलों में कप्तान पर मैच बैन भी लगाया जाता था, लेकिन अब नियमों में बदलाव के बाद फिलहाल आर्थिक दंड और डिमेरिट पॉइंट्स का प्रावधान है। हालांकि इस जुर्माने के बावजूद पंजाब किंग्स ने मैच में शानदार प्रदर्शन किया।

गुजरात टाइटंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 162 रन बनाए, जिसके जवाब में पंजाब ने लक्ष्य तीन विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। डेब्यू मैच खेल रहे कूपर कोनोली ने नाबाद 72 रन की बेहतरीन पारी खेली, जबकि प्रभसिमरन सिंह ने 37 रन का योगदान दिया।

विवादों में घिरा गाना सरकार ने लगाया बैन

यूनिक समय, नई दिल्ली। नोरा फतेही और संजय दत्त पर फिल्माया गया गाना 'सरके चुनर तेरी सरके' विवादों में आ गया है। यह गाना कन्नड़ फिल्म 'केडीः देवी' का हिस्सा था, जिसे कथित 'अश्लील' बोलों के कारण भारत सरकार ने सभी प्लेटफॉर्म से हटाने का आदेश दे दिया।

सोशल मीडिया पर गाने के खिलाफ जमकर विरोध हुआ, जिसके बाद मामला तेजी से बढ़ा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने केंद्र सरकार को नोटिस भेजा, जबकि राष्ट्रीय महिला आयोग ने फिल्म से जुड़े कलाकारों और निर्माताओं को पेश होने के लिए कहा। कुछ संगठनों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए धार्मिक स्तर पर भी विरोध दर्ज कराया। विवाद बढ़ने के बाद गाने से जुड़े कलाकारों ने अपनी सफाई दी। नोरा फतेही ने कहा कि उन्होंने गाना कन्नड़ में शूट किया था और हिंदी अनुवाद के अर्थ से अनजान थीं। उन्होंने यह भी बताया कि विवाद की आशंका होने पर उन्होंने इस गाने का प्रमोशन नहीं किया।

'हैदर' का चॉकलेट बॉय बना आतंकी, जिंदगी का दुखद अंत

यूनिक समय, नई दिल्ली। 'हैदर' में नजर आया एक मासूम चेहरा, जिसकी पहचान एक उभरते कलाकार के रूप में बन रही थी, बाद में आतंक की राह पर चला गया। यह कहानी है कश्मीर के बांदीपोरा जिले के हाजिन निवासी साकिब बिलाल की, जिसने फिल्म में एक छोटा लेकिन यादगार कैमियो किया था। पर्दे पर वह हिंसा से बचते हुए दिखाई दिया, लेकिन असल जिंदगी में उसी हिंसा का हिस्सा बन गया।

साकिब केवल एक अभिनेता ही नहीं, बल्कि पढ़ाई और खेलों में भी अव्वल था। वह फुटबॉल, कबड्डी और ताइक्वांडो का अच्छा खिलाड़ी था और इंजीनियर बनने का सपना देखता था। थिएटर में भी उसकी गहरी रुचि थी और श्रीनगर के टैगोर हॉल में उसने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया था। लेकिन अगस्त 2018 में वह अचानक

लापता हो गया, जिसके बाद उसकी बंदूक के साथ तस्वीर सामने आई।

जानकारों के मुताबिक, कश्मीर में कई युवा कट्टरता और भड़कावे का शिकार होकर गलत रास्ते पर चले जाते हैं। साकिब भी इसी जाल में फंस गया। कुछ समय बाद वह आतंकी गतिविधियों में शामिल हो गया, जिससे उसका परिवार और समाज स्तब्ध रह गया। दिसंबर 2018 में श्रीनगर के मुजगुंड इलाके में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में साकिब की मौत हो गई। उसकी कहानी इस बात का उदाहरण है कि कैसे एक उज्ज्वल भविष्य वाला युवा गलत दिशा में जाकर अपनी जिंदगी तबाह कर सकता है।

टीम इंडिया की नई टी 20 सीरीज का ऐलान

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया की एक और अंतरराष्ट्रीय सीरीज का शेड्यूल जारी कर दिया है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज जुलाई 2026 में खेली जाएगी। इस सीरीज के सभी मुकाबले हरारे स्पोर्ट्स क्लब, जिम्बाब्वे में आयोजित होंगे। सीरीज का पहला मैच 23 जुलाई को खेला जाएगा, जबकि दूसरा मुकाबला 25 जुलाई और तीसरा व अंतिम मैच 26 जुलाई को होगा। सभी मैच एक ही मैदान पर होने के कारण टीमों को यात्रा की परेशानी नहीं होगी, जिससे खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी

का मौका मिलेगा। इस साल कोई बड़ा टी20 टूर्नामेंट नहीं होने के कारण इस सीरीज में भारत के सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जा सकता है। ऐसे में चयनकर्ता युवा और उभरते खिलाड़ियों को मौका देकर टीम का भविष्य तैयार करने पर ध्यान दे सकते हैं। आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को टीम में जगह मिलने की संभावना है। इसके अलावा, कप्तानी को लेकर भी बदलाव देखने को मिल सकता है। यह जरूरी नहीं कि नियमित कप्तान ही इस सीरीज में टीम की अगुवाई करें। बोर्ड नए नेतृत्व विकल्पों को भी आजमा सकता है। गौरतलब है कि अगले साल वनडे विश्व कप होना है, जिसे ध्यान में रखते हुए टीम मैनेजमेंट अपनी रणनीति तैयार कर रहा है। ऐसे में टी20 सीरीज को युवा खिलाड़ियों के परीक्षण के रूप में देखा जा रहा है, जिससे भविष्य की मजबूत टीम तैयार की जा सके।

खराब फॉर्म से निराश शतरंज चैंपियन गुकेश का बड़ा फैसला, कम खेलेंगे टूर्नामेंट

यूनिक समय, नई दिल्ली। विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश ने हाल के टूर्नामेंटों में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपने खेल कार्यक्रम को कम करने का फैसला किया है, ताकि वह ट्रेनिंग और अपने विश्व खिताब की रक्षा के लिए तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर सकें। मौजूदा विश्व चैंपियन डी

गुकेश ने इस सत्र में अपने निराशाजनक प्रदर्शन के बाद मंगलवार को अपने टूर्नामेंट कार्यक्रम को कम करने का फैसला किया। उन्होंने 2026 में केवल दो ग्रैंड शतरंज टूर टूर्नामेंट में खेलने का विकल्प चुना है ताकि वह अपने खिताब की रक्षा के लिए ट्रेनिंग और तैयारी को प्राथमिकता दे सकें। गुकेश को अपने अनिरंतर प्रदर्शन के कारण नवंबर 2025 में अपने ही देश में हुए शतरंज विश्व कप में शीर्ष वरीय होने के बावजूद जल्दी बाहर होना पड़ा।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका ने जारी किए सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने 2026–27 सत्र के लिए अपने-अपने खिलाड़ियों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट दे दिए हैं। दोनों देशों के कॉन्ट्रैक्ट सिस्टम में बड़ा अंतर देखने को मिला है। ऑस्ट्रेलिया ने जहां कुल 23 खिलाड़ियों को कॉन्ट्रैक्ट दिया, वहीं दक्षिण अफ्रीका ने फुल और हाइब्रिड कॉन्ट्रैक्ट का मॉडल अपनाया है, जिससे खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट और फ्रेंचाइजी लीग के बीच संतुलन बना सकें। ऑस्ट्रेलिया की सूची में पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड और मिशेल स्टार्क जैसे बड़े नाम शामिल हैं। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल और झे रिचर्डसन को इस बार कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया गया है। जेक वेदराल्ड, माइकल नेसर और टॉड मर्फी जैसे खिलाड़ियों को मौका देकर चयनकर्ताओं ने नए संतुलन की कोशिश की है। ऑस्ट्रेलिया में खिलाड़ियों की औसत सालाना सैलरी लगभग 6 करोड़ रुपये से ज्यादा है, जबकि टॉप खिलाड़ी 12-13 करोड़

सैलरी और कॉन्ट्रैक्ट मॉडल में बड़ा अंतर

रुपये तक कमा सकते हैं। इसके अलावा उन्हें हर मैच के लिए अलग से फीस भी मिलती है। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका में फुल कॉन्ट्रैक्ट खिलाड़ियों को सालाना लगभग 74 लाख से 2 करोड़ रुपये तक मिलते हैं। वहीं, हाइब्रिड कॉन्ट्रैक्ट खिलाड़ियों को कम तय सैलरी मिलती है, लेकिन वे फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलकर ज्यादा कमाई कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका के फुल कॉन्ट्रैक्ट में तेम्बा बावुमा, एडन मार्करम और कगिसो रबाडा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि साइमन हार्मर को हाइब्रिड कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। यह मॉडल खिलाड़ियों को लचीलापन देने के साथ-साथ टीम की स्थिरता बनाए रखने की कोशिश है।

भूत बंगला की रिलीज से पहले महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे अक्षय कुमार और डिम्पल कपाडिया

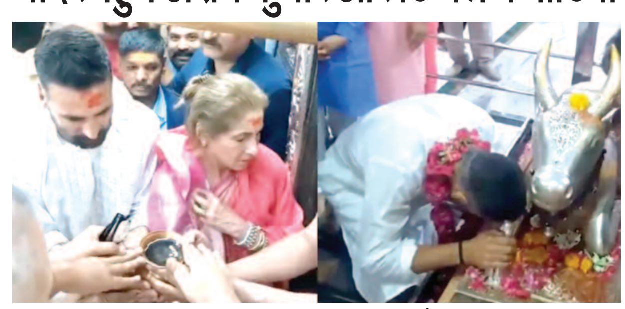

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म भूत बंगला की रिलीज से पहले उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। उनके साथ उनकी सास और दिग्गज अभिनेत्री डिम्पल कपाडिया भी मौजूद रहीं। दोनों ने भगवान शिव के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की और नंदी के समक्ष भी प्रार्थना की।

मंदिर परिसर में अक्षय का सादगी भरा अंदाज देखने को मिला। उन्होंने सफेद कुर्ता-पायजामा पहनकर पूजा की, जो उनकी आस्था को दर्शाता है। दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में अक्षय ने बताया कि उन्होंने देश की समृद्धि और परिवार की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि भारत लगातार प्रगति करे और दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाए, यही उनकी कामना है।

अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' 2026 की चर्चित फिल्मों में शामिल है। इस फिल्म के जरिए उनकी जोड़ी निर्देशक प्रियदर्शन के साथ करीब 14 साल बाद फिर से बन रही है। इससे पहले दोनों 'हेरा फेरी', 'भूल भुलैया' और 'गरम मसाला' जैसी हिट फिल्में दे चुके हैं। फिल्म का ट्रेलर छह अप्रैल को रिलीज होने की संभावना है, जबकि फिल्म 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और वामिका गब्बी जैसे कलाकार भी नजर आएंगे, जिससे दर्शकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं।

'धुरंधर' में अक्षय खन्ना का दमदार लुक बना चर्चा का केंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। अक्षय खन्ना ने फिल्म धुरंधर में 'रहमान डकैत' के किरदार से दर्शकों को खूब प्रभावित किया है। उनके अभिनय के साथ-साथ लुक की भी जमकर तारीफ हो रही है। हाल ही में सामने आए एक बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो में उनके लुक की बारीक तैयारी देखने को मिली, जिसने फैंस को हैरान कर दिया।

वीडियो में अक्षय खन्ना अपनी टीम को विग की सेटिंग, हेयरलाइन और बालों के फ्लो को लेकर सटीक निर्देश देते नजर आए। वह इस बात का खास ध्यान रख रहे थे कि स्क्रीन पर उनका लुक बिल्कुल नेचुरल लगे और कहीं भी बनावटीपन न दिखे। यह उनके किरदार के प्रति समर्पण को साफ दर्शाता है। सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो को देखकर फैंस उनकी मेहनत और डिटेलिंग की जमकर सराहना कर रहे हैं। कई यूजर्स ने उनके डेडिकेशन को 'ऑस्कर लेवल' तक बता दिया। फिल्म के बाद अब अक्षय खन्ना नए प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे, जिनमें उनका तेलुगु डेब्यू भी शामिल है।

सुपरगर्ल का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

यूनिक समय, नई दिल्ली। हॉलीवुड फिल्म सुपरगर्ल का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है, जिसने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। करीब 2 मिनट 56 सेकंड के इस ट्रेलर में एक्शन, इमोशन और रोमांच का शानदार मिश्रण देखने को मिलता है। मिली एल्कोक सुपरगर्ल के किरदार में दमदार नजर आ रही हैं, जबकि सुपरमैन के साथ उनकी बातचीत फिल्म की शुरुआत को दिलचस्प बनाती है।

ट्रेलर में कहानी उस वक्त मोड़ लेती है जब सुपरगर्ल के करीबी साथी सुपरमैन को जहर दे दिया जाता है। उसकी जान बचाने के लिए सुपरगर्ल के पास सिर्फ तीन दिन होते हैं, जिसके चलते वह एक खतरनाक मिशन पर निकलती है। इसी दौरान वह एक बहादुर बच्ची से मिलती है, जो अपने पिता की मौत के बाद न्याय की तलाश में है। फिल्म में जेसन मोमोआ भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। इसे वॉर्नर ब्रॉस और डीसी स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है। यह फिल्म 26 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

चार इंटरनेशनल फेस्टिवल में छाई नवाजुद्दीन की फिल्म

यूनिक समय, नई दिल्ली। नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक बार फिर अपनी नई फिल्म मैं एक्टर नहीं हूँ के साथ दर्शकों को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म पहले ही चार अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल्स में अपनी खास पहचान बना चुकी है और अब भारत में रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस फिल्म का प्रीमियर कई प्रतिष्ठित मंचों पर हुआ, जहां नवाजुद्दीन के अभिनय को खूब सराहा गया। न्यूयॉर्क फिल्म फेस्टिवल में उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार भी मिला। इसके अलावा यह फिल्म डीसी साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल और ब्रैडफर्ड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी प्रदर्शित हो चुकी है। फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं' 8 मई 2026 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसमें नवाजुद्दीन 'अदनान' नाम के एक रिटायर्ड

व्यक्ति का किरदार निभा रहे हैं। इस भूमिका के जरिए उन्होंने जीवन के उस पड़ाव को समझने की कोशिश की है, जिसे उन्होंने पहले अनुभव नहीं किया था।

नवाजुद्दीन ने बताया कि फिल्म की शूटिंग और फॉर्मेट उनके लिए बिल्कुल अलग अनुभव रहा। छोटी स्क्रीन पर इमोशन्स को दर्शाना एक चुनौती थी, लेकिन इसी ने उनके अभिनय को और गहराई दी। यह फिल्म रिटायरमेंट के बाद की भावनाओं, अकेलेपन और मानसिक संघर्ष को बारीकी से दिखाती है, जो इसे और भी खास बनाती है।

योगी का ग्रीन मिशन: लखनऊ बनेगा और स्वच्छ

सीएम ने एलएमसी के 250 वाहनों को दिखाई हरी झंडी

यूनिक समय, लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम उठाया। उन्होंने अपने सरकारी आवास से एलएमसी के 250 इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन शहर में कूड़ा प्रबंधन को बेहतर बनाने और प्रदूषण कम करने में अहम भूमिका निभाएंगे।

इस मौके पर सीएम योगी ने कहा कि बीते नौ वर्षों में लखनऊ के विकास को नई दिशा मिली है। शहर का विस्तार हुआ है और बुनियादी सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। मेट्रो सेवा, सड़कों का चौड़ीकरण और जलनिकासी व्यवस्था में सुधार जैसे कदमों ने नागरिकों के जीवनस्तर को बेहतर बनाया है। उन्होंने यह भी बताया

मुख्यमंत्री ने कहा, नौ साल में बदला लखनऊ का स्वरूप

कि स्वच्छता रैंकिंग में लखनऊ ने अच्छा प्रदर्शन किया है, जो नगर निगम और नागरिकों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है। साथ ही, सरकार अब शहर को सोलर एनर्जी की दिशा में भी आगे बढ़ा रही है, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि आधुनिक तकनीक और पर्यावरण अनुकूल उपायों के जरिए शहरों का विकास सरकार की प्राथमिकता है, और लखनऊ इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों को राहत के निर्देश

सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में हुई बेमौसम बारिश से प्रभावित किसानों का हाल जाना और अधिकारियों को तत्काल नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व, कृषि विभाग और बीमा कंपनियां संयुक्त सर्वे कर रिपोर्ट दें, ताकि किसानों को जल्द मुआवजा मिल सके। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारियों को फील्ड में रहकर स्थिति का जायजा लेने और समयबद्ध तरीके से राहत पहुंचाने के निर्देश दिए।

नए सत्र की शुरुआत अब अखबार पढ़कर होगी दिन की शुरुआत

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों में बुधवार से नए शैक्षणिक सत्र 2026–27 की शुरुआत हो गई। इस बार स्कूलों में पढ़ाई का तरीका थोड़ा बदला हुआ नजर आएगा। छात्रों के स्क्रीन टाइम को कम करने के लिए अब हर दिन प्रार्थना सभा में अखबार पढ़कर सुनाने की शुरुआत की जाएगी। इससे बच्चों का भाषाई और तार्किक विकास बेहतर होगा।

शिक्षा विभाग ने स्कूलों के समय में भी बदलाव किया है। साथ ही, छात्रों के लिए स्कूल में मोबाइल लाना पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है, ताकि उनकी रुचि किताबों और पढ़ाई की ओर बढ़े। इसके अलावा, 1 अप्रैल से 15 अप्रैल तक 'स्कूल चलो अभियान' चलाया जाएगा, जिसके तहत ज्यादा से ज्यादा बच्चों का नामांकन कराने और ड्रॉपआउट छात्रों को वापस स्कूल लाने पर जोर दिया जाएगा। इस दौरान रैली, प्रभात फेरी और जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

ट्रक से बचने में बड़ा हादसा, घर में घुसी बस, 35 लोग घायल

यूनिक समय, मोहनलालगंज। मोहनलालगंज क्षेत्र में बुधवार देर रात एक बड़ा सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक स्लीपर बस अनियंत्रित होकर मकान में जा घुसी। यह बस वाराणसी से जयपुर जा रही थी और रात करीब 1:30 बजे फूलवरिया मोड़ के पास अचानक सामने आए ट्रक से बचने के प्रयास में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। चालक ने बस को दाईं ओर मोड़ा, लेकिन नियंत्रण खो बैठा और वाहन इस्लाम मोहम्मद के मकान से टकरा गया। हादसे में मकान का गेट और दीवार क्षतिग्रस्त हो गए।

इस हादसे में बस चालक विवेक चौहान गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका पैर टूट गया। उन्हें पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र और बाद में ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। परिचालक हर्षदीप भी घायल हुआ है। इसके अलावा बस में सवार करीब 30 से 35 यात्रियों को हल्की चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया।

सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर वैकल्पिक साधनों से उनके गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। क्रेन की मदद से बस को हटाकर सड़क से मलबा साफ किया गया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। प्रशासन ने घटना की जांच शुरू कर दी है और दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सड़क हादसे में पिता और दो बच्चों की मौत

यूनिक समय, मुजफ्फरनगर। थाना तितावी क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक हृदय विदारक सड़क दुर्घटना ने पूरे इलाके को शोक में डुबो दिया। हैदरनगर मार्ग पर एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित स्कूल बस ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी, जिसमें एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हैदरनगर निवासी महिपाल (45) अपनी पत्नी पूनम (45) और दो बच्चों (8) और राधिका (12) के साथ बाइक पर जा रहे थे। दोपहर करीब 1:15 बजे सामने से आ रही स्कूल बस ने नियंत्रण खो दिया और बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिपाल और उनके दोनों बच्चों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने राहगीरों की मदद से गंभीर रूप से घायल पूनम को अस्पताल भिजवाया, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है और इलाज जारी है। इस हादसे ने पूरे क्षेत्र में गहरा दुख और आक्रोश पैदा कर दिया है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि स्कूल वाहनों की गति और सुरक्षा मानकों पर सख्ती से अमल कराया जाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जबकि इस घटना ने एक बार फिर लापरवाही से वाहन चलाने के खतरनाक परिणामों को उजागर कर दिया है।

गाजियाबाद में प्रोफेसर की हत्या, ससुर समेत दो गिरफ्तार

यूनिक समय, गाजियाबाद। गाजियाबाद के साहिबाबाद क्षेत्र में मुस्लिम युवती से शादी करने वाले प्रोफेसर नितिन कुमार (30) की हत्या का मामला सामने आया है। नितिन लोनी के गीतांजली विहार के निवासी थे और बागपत के एक कॉलेज में प्रोफेसर थे। उन्होंने मई 2025 में अपनी छात्रा मुस्कान से शादी की थी, जिससे लड़की का परिवार नाराज था।

आरोप है कि 30 मार्च को समझौते के बहाने नितिन को बंथला फाटक बुलाया गया। वहां ससुर मेहरुद्दीन, चचिया ससुर आसिफ अली और अन्य लोगों ने उन्हें कार में बैठाकर सुनसान स्थान पर ले जाकर मारपीट की और गला दबाकर हत्या कर दी। घटना की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम कराया। इस मामले में पुलिस ने ससुर और चचिया ससुर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। घटना के बाद परिजनों में आक्रोश है।

सूर्य प्रताप सिंह की हत्याकांड के बाद छात्रों ने मुंडन कर जताया विरोध

यूनिक समय, वाराणसी। यूपी कालेज में छात्र सूर्य प्रताप सिंह की हत्या के बाद माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। प्राचार्य को हटाने की मांग को लेकर छात्र लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले 11 दिनों से छात्र कॉलेज के मुख्य द्वार पर धरने पर बैठे हैं और अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं।

बुधवार को छात्रों ने विरोध को और तेज करते हुए प्रतीकात्मक रूप से सिर मुंडवाकर अपना आक्रोश जताया। छात्रों का कहना है कि बार-बार प्रदर्शन और मांगों के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने नारेबाजी करते हुए प्राचार्य के इस्तीफे की मांग दोहराई।

उनका आरोप है कि कॉलेज प्रशासन इस पूरे मामले में जिम्मेदारी से बच रहा है। इस विरोध के चलते कॉलेज परिसर में सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी कर दी गई है। वहीं, प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है और समाधान निकालने के प्रयास जारी हैं।

छह साल का मासूम बना एक दिन का थाना प्रभारी

यूनिक समय, वाराणसी। वाराणसी में छह साल के श्रेयांश ने अपनी मासूमियत और आत्मविश्वास से सबका दिल जीत लिया। उसे एक दिन के लिए लंका पुलिस थाना का थाना प्रभारी बनाया गया। वर्दी में थाने पहुंचे श्रेयांश ने पुलिस की कार्यप्रणाली को समझा और पूरे उत्साह के साथ जिम्मेदारियां निभाईं।

श्रेयांश ने यातायात व्यवस्था संभालते हुए लोगों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक किया। खास बात यह रही कि उसने कविता के माध्यम से नियमों का महत्व समझाया। थाने का निरीक्षण करते हुए उसने हवालात और अन्य विभागों को भी देखा। उसकी सरलता और आत्मविश्वास से पुलिसकर्मी और आम लोग काफी प्रभावित हुए। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के सपनों को साकार कर उन्हें प्रेरित करना है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: निजी जगह पर भीड़ में नमाज पर रोक

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा है कि निजी संपत्ति की आड़ में सार्वजनिक शांति और व्यवस्था को खतरे में नहीं डाला जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि निजी स्थान पर बड़ी संख्या में लोगों को इकट्ठा कर नमाज अदा करना उचित नहीं है, यदि इससे कानून–व्यवस्था प्रभावित होती हो। यह आदेश न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। बरेली निवासी याची ने रमजान के दौरान निजी संपत्ति पर नमाज पढ़ने से रोक और पुलिस कार्रवाई को चुनौती दी थी। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि संबंधित स्थान पर रोजाना 50 से अधिक लोग नमाज के लिए जुट रहे थे, जिससे क्षेत्र की शांति और सुरक्षा पर असर पड़ सकता था। इस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि यदि ऐसी गतिविधियों से शांति भंग होती है, तो प्रशासन को कार्रवाई करने की पूरी स्वतंत्रता होगी। हालांकि, याचिकाकर्ता की ओर से आश्वासन दिया गया कि भविष्य में इस तरह भीड़ नहीं जुटाई जाएगी। कोर्ट ने इस आश्वासन को रिकॉर्ड में लेते हुए मामले का निस्तारण कर दिया और प्रशासन को कानून–व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

मेरठ कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी, परिसर खाली कराया गया

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ की कचहरी में बम से उड़ाने की धमकी मिलने से बुधवार को अफरा-तफरी मच गई। एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन के माध्यम से अदालत परिसर में विस्फोट करने की बात कही, जिसके बाद प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया। एहतियातन पूरे कचहरी परिसर को खाली करा लिया गया और आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कचहरी परिसर को पूरी तरह सील कर दिया गया है और चप्पे–चप्पे पर निगरानी रखी जा रही है। संदिग्ध वस्तुओं की तलाश के लिए सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस घटना के चलते कचहरी में कामकाज पूरी तरह ठप हो गया, जिससे वकीलों और आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

पुलिस धमकी देने वाले व्यक्ति की पहचान करने में जुटी है और कॉल की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह पहली बार नहीं है जब कचहरी को इस तरह की धमकी मिली है, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे शांति बनाए रखें और अफवाहों पर ध्यान न दें।

गोरखपुर में ऑपरेशन के बाद युवक की मौत, परिजनों का हंगामा

यूनिक समय,गोरखपुर। गोरखपुर के गोरखनाथ क्षेत्र स्थित आनंदलोक हॉस्पिटल में एक 25 वर्षीय युवक की ऑपरेशन के बाद मौत हो जाने से हड़कंप मच गया। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और डॉक्टरों पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए।

मृतक की पहचान पीपीगंज के भगवानपुर वार्ड नंबर 16 निवासी अभिषेक मद्धेशिया के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, अभिषेक को पित्त की थैली में पथरी की समस्या थी और उसका इलाज इसी अस्पताल में चल रहा था। तय कार्यक्रम के अनुसार 31 मार्च को उसे भर्ती कराया गया और रात करीब 8:30 बजे उसका ऑपरेशन किया गया।

परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान अत्यधिक खून बहने के कारण उसकी हालत बिगड़ गई। उनका कहना है कि डॉक्टरों ने स्थिति की सही जानकारी नहीं दी और समय पर उचित उपचार नहीं किया। बुधवार सुबह करीब 5:30 बजे अभिषेक की मौत हो गई। आरोप यह भी है कि मौत के बाद अस्पताल का स्टाफ मौके से गायब हो गया। मृतक के पिता ने बताया कि अभिषेक पढ़ाई में होनहार था और उसने इस साल दरोगा (एसआई) की परीक्षा दी थी। परिवार को उसके चयन की उम्मीद थी, लेकिन इस घटना से उसका सपना अधूरा रह गया।

घटना के बाद अस्पताल में कोहराम मच गया और महिलाएं रो-रोकर बेसुध हो गईं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को शांत कराया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सार संक्षेप

पीएम नेतन्याहू का ईरान पर कड़ा वार, कहा शासन ढहने को है

यूनिक समय, नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका के साथ संयुक्त अभियान ईरान के इस्लामी शासन को धीरे–धीरे कुचल रहा है। उन्होंने बताया कि इजरायल पहले से मजबूत है और क्षेत्र के कई देशों के साथ नए गठबंधन बनाए जा रहे हैं। नेतन्याहू ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम, मिसाइल और आतंकवाद में खर्च हुए 1 ट्रिलियन डॉलर को बेकार बताया। 7 अक्टूबर 2023 के बाद मारे गए कई प्रमुख ईरानी नेताओं का भी उल्लेख किया।

नीतीश कुमार के पुत्र निशांत ने पिता की दूरदर्शिता पर जताया गर्व

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने सोशल मीडिया पर अपने पिता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें ऐसे दूरदर्शी नेता का पुत्र होने पर गर्व है। निशांत ने बताया कि उनके पिता ने बिजली, सड़क, स्कूल और कानून–व्यवस्था में सुधार कर बिहार की तस्वीर बदल दी। उन्होंने बिहार को खस्ताहाल स्थिति से निकालकर आधुनिक और उन्नत राज्य बनाने की नींव रखी। निशांत की यह पोस्ट उनकी राजनीति में एंट्री के समय आई है।

नेपाल में भूकंप के झटके, रिक्टर पैमाने पर 4.0 तीव्रता

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल के मुगु जिले में बुधवार तड़के रिक्टर पैमाने पर 4.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र धैनाकोट था और झटके हुमला, जुमला और कालिकोट जिलों में भी महसूस किए गए। इससे कोई नुकसान नहीं हुआ। नेपाल भूकंप के लिहाज से संवेदनशील देश है, क्योंकि भारतीय और यूरेशियन प्लेटें टकराती हैं। 29 मार्च को भी सिन्धुपालचोक जिले में 4.5 तीव्रता का भूकंप आया था।

ईरान ने अमेरिका को दी चुनौती, जारी किया वीडियो

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान ने अमेरिका को चुनौती देते हुए कहा, "आओ, हम तुम्हारा इंतजार कर रहे हैं।" प्रेस टीवी द्वारा जारी वीडियो में ईरानी सैनिक और कमांडो युद्धाभ्यास करते दिख रहे हैं, साथ ही बड़े मिसाइल लॉन्चर और विस्फोट भी दिखाए गए हैं। ईरान का संदेश साफ है कि वे पूरी तरह तैयार हैं। व्हाइट हाउस ने बताया कि मिडिल ईस्ट में अतिरिक्त अमेरिकी सैनिकों की तैनाती रणनीतिक लचीलापन बनाए रखने के लिए है, जबकि राजनयिक प्रयास पीछे पर्दे के पीछे जारी हैं।

पिंक कार्ड एक बस से दूसरी बस में भी काम करेगा, उट रेखा गुप्ता ने किया स्पष्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली।दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने साफ किया कि महिलाओं के लिए जारी 'सहेली स्मार्ट पिंक कार्ड' एक बस में टैप करने के बाद दूसरी बस में भी पूरी तरह काम करेगा। अफवाहें कि कार्ड दोबारा टैप नहीं होगा, गलत हैं। उन्होंने बताया कि पिंक कार्ड से रोजाना 20 लाख महिलाओं की ट्रिप्स का सही हिसाब-किताब होगा और सरकार सीधे भुगतान करेगी, जिससे भ्रष्टाचार और निजी लाभ की संभावना समाप्त हो जाएगी।

पश्चिम एशिया तनावपूर्ण के बीच छह लाख भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी

विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव असीम आर महाजन ने दी जानकारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनावपूर्ण स्थिति के बीच भारत सरकार ने अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी को लेकर बड़ी राहत भरी जानकारी दी है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी 2026 से अब तक लगभग 5,98,000 भारतीय नागरिक विभिन्न देशों से सुरक्षित भारत लौट चुके हैं। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर महाजन ने अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग के दौरान दी।

सरकार ने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षा हालात धीरे-धीरे स्थिर हो रहे हैं और उड़ानों की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। भारतीयों की वापसी के लिए अतिरिक्त उड़ानों का संचालन किया जा रहा है। खासतौर पर संयुक्त अरब अमीरात से भारत के लिए आज लगभग 90 उड़ानें संचालित होने की उम्मीद है। इसके अलावा सऊदी अरब और ओमान से भी नियमित उड़ानें जारी हैं। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में अभी भी प्रतिबंध जारी हैं। कतर का हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुला है, जहां से सीमित उड़ानें चलाई जा रही हैं। वहीं कुवैत और बहरीन का हवाई क्षेत्र अभी बंद है। ऐसे में यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों से भारत लाया जा रहा है। सरकार ने बताया कि ईरान से यात्रियों को आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते, इज़राइल से मिस्र और जॉर्डन होते हुए, और इराक से जॉर्डन व सऊदी अरब के जरिए भारत पहुंचाया जा रहा है।

इस बीच दुबई में विमान के मलबे गिरने से कुछ भारतीय नागरिकों को मामूली चोटें आई हैं। भारतीय दूतावास उनके संपर्क में है और हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है। सरकार के समन्वित प्रयासों और एयरलाइंस के सहयोग से बड़े पैमाने पर यह निकासी अभियान सफलतापूर्वक जारी है, जिससे लाखों भारतीयों को सुरक्षित अपने देश लौटने में मदद मिली है।

होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने के लिए कीर स्टारमर की पहल

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच ब्रिटेन ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सुरक्षित और चालू कराने के लिए बड़ी पहल की है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने 35 देशों को एकजुट कर समुद्री सुरक्षा मजबूत करने का प्रस्ताव रखा है।

स्टारमर ने स्पष्ट किया कि यह युद्ध ब्रिटेन का नहीं है और उनका देश सीधे इस संघर्ष में शामिल नहीं होगा। हालांकि, उन्होंने माना कि इस संकट का असर वैश्विक स्तर पर पड़ेगा, खासकर ऊर्जा आपूर्ति और अर्थव्यवस्था पर। उन्होंने कहा कि असली चुनौती बीमा नहीं, बल्कि जलडमरूमध्य से सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करना है। ब्रिटेन इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने के लिए संबंधित देशों की बैठक की मेजबानी करेगा। साथ ही सैन्य विशेषज्ञों के साथ मिलकर यह आकलन किया जाएगा कि इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को कैसे सुरक्षित बनाया जाए। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे अहम तेल मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। इसके बाधित होने से कई देशों में ईंधन संकट गहराने लगा है। इस बीच डोनाल्ड ट्रम्प ने भी प्रभावित देशों को अमेरिका से ईंधन खरीदने की सलाह दी है, जिससे अंतरराष्ट्रीय राजनीति और तेज हो गई है।

सीबीआई का एक्शन: अनिल अंबानी पर 3750 करोड़ घोटाले का केस

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीबीआई ने उद्योगपति अनिल अंबानी और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ बड़ा मामला दर्ज किया है। यह केस एलआईसी को करीब 3750 करोड़ रुपये के कथित नुकसान से जुड़ा है।

जानकारी के अनुसार, एलआईसी ने रिलायंस कम्यूनिकेशंस के सिक्योर्ड नॉन–कन्वर्टिबल डिबेंचर्स (एनसीडीएस) में 4500 करोड़ रुपये निवेश किए थे-3000 करोड़ 2009 में और 1500 करोड़ 2012 में। आरोप है कि इस निवेश में अनियमितताएं हुईं और जानबूझकर आर्थिक नुकसान पहुंचाया गया। एफआईआर, एलआईसी के एक अधिकारी की शिकायत के आधार पर दर्ज की गई है। इसमें निवेश प्रक्रिया में गड़बड़ी और धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए हैं। साथ ही कुछ अज्ञात सरकारी अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध बताई जा रही है। सीबीआई अब पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है, ताकि जिम्मेदार लोगों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जा सके।

महाराष्ट्र में पीएनजी को 'अतिआवश्यक सेवा' का दर्जा गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए आसान और तेज प्रक्रिया

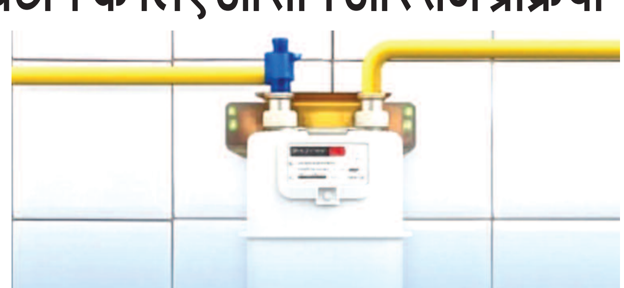

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार ने एलपीजी संकट से निपटने के लिए बड़ा फैसला लिया है। अब पाइप नेचुरल गैस (पीएनजी) को राज्य में 'अत्यावश्यक सेवा' का दर्जा दे दिया गया है। इसके तहत सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के विस्तार को युद्धस्तर पर पूरा करने के आदेश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में तय किया गया कि नए पाइपलाइन प्रोजेक्ट के आवेदनों को केवल 24 घंटे के भीतर मंजूरी दी जाएगी। गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए लंबित सभी अनुमतियों को अब स्वीकृत माना जाएगा। इसके अलावा, काम में तेजी लाने के लिए सड़क मरम्मत शुल्क को माफ किया गया है और कंपनियों को 24 घंटे कार्य करने की अनुमति दी जाएगी। अब पाइपलाइन बिछाने के लिए अग्निशमन विभाग या ट्रैफिक पुलिस से एनओसी लेने की आवश्यकता नहीं होगी। सभी नियमों और शर्तों को शिथिल किया गया है ताकि पाइपलाइन बिछाने की प्रक्रिया तेज और आसान हो सके।

सरकार ने यह भी निर्देश दिया कि पीएनजी वितरण में घरेलू उपयोग को प्राथमिकता दी जाएगी। होटल, स्कूल, अस्पताल, सामुदायिक रसोई और हॉस्टलों को कमर्शियल दरों पर 50 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इस पूरे कार्यक्रम की निगरानी राशनिंग नियंत्रक और नागरिक आपूर्ति निदेशक करेंगे, जिन्हें नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। महाराष्ट्र सरकार का उद्देश्य है कि राज्य में पीएनजी का नेटवर्क मजबूत हो और एलपीजी पर निर्भरता कम की जा सके। इस कदम से खाड़ी देशों में युद्ध और तेल आपूर्ति में बाधाओं के कारण उत्पन्न संकट को कम करने में मदद मिलेगी। यह आदेश 30 जून 2026 तक प्रभावी रहेगा। इस पहल से राज्य में घरेलू और व्यावसायिक गैस आपूर्ति में सुधार की उम्मीद है। घरों और संस्थानों को सस्ती और पर्याप्त गैस उपलब्ध कराने से ऊर्जा संकट को कम करने में मदद मिलेगी और एलपीजी की बढ़ती कीमतों से आम जनता को राहत मिलेगी। सरकार का यह कदम महाराष्ट्र में पीएनजी नेटवर्क विस्तार के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

ब्रिगेडियर मुकेश जोशी को श्रद्धांजलि देने घर पहुंचे सीएम पुष्कर सिंह धामी

यूनिक समय, नई दिल्ली। देहरादून में सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर मुकेश जोशी के निधन पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उनके आवास पहुंचे और श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने जोहड़ी स्थित घर पर परिजनों से मुलाकात कर गहरी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

ब्रिगेडियर मुकेश जोशी (74) की मौत गोली लगने से हुई थी। जानकारी के अनुसार, वह सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले थे, तभी राजपुर क्षेत्र में दो कार सवार लोगों के बीच विवाद के दौरान गोलीबारी हो गई। इस दौरान एक गोली उन्हें लग गई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री धामी ने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को राज्य में "ऑपरेशन प्रहार" चलाकर असामाजिक तत्वों के खिलाफ कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। धामी ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है और किसी भी हालत में अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान राज्य के सैनिक कल्याण मंत्री भी मौजूद रहे। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

ईरान में सत्ता संकट: इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने संभाला नियंत्रण

यूनिक समय, नई दिल्ली। ईरान में जारी तनाव के बीच बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, देश में सैन्य प्रभाव तेजी से बढ़ गया है और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने सरकार के अहम फैसलों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है। इससे राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान की स्थिति कमजोर पड़ती दिख रही है।

बताया जा रहा है कि राष्ट्रपति और सैन्य नेतृत्व के बीच सत्ता संघर्ष की स्थिति बन गई है। आईआरजीसी के वरिष्ठ अधिकारियों की एक परिषद अब दैनिक प्रशासनिक और रणनीतिक फैसले ले रही है। हालात ऐसे हैं कि राष्ट्रपति की कई नियुक्तियों और फैसलों को भी रोका जा रहा है। स्थिति और जटिल तब हो गई जब सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के कथित रूप से हमलों में मारे जाने या गंभीर रूप से घायल होने की खबरें सामने आईं। उनके उत्तराधिकारी के रूप में मोजतबा खामेनेई का नाम सामने आया, लेकिन उनकी स्थिति को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि मोजतबा तक सरकारी सूचनाएं ठीक से नहीं पहुंच पा रही हैं और उन्हें कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। वहीं, आईआरजीसी ने सत्ता के केंद्र पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। इस घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, जिससे ईरान की राजनीतिक स्थिति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

पंजाब की राजनीति में बड़ा बदलाव: एचएस फुल्का ने थामा भाजपा का दामन

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब की सियासत में अगले विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा उलटफेर हुआ है। आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक और 1984 सिख विरोधी दंगा पीड़ितों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ने वाले सुप्रीम कोर्ट व दिल्ली हाई कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फुल्का बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। यह फुल्का की सक्रिय राजनीति में लगभग सात साल बाद वापसी है, जिसे पंजाब में बीजेपी के लिए एक बड़ा "बूस्ट" माना जा रहा है।फुल्का की पहचान दशकों से दंगा पीड़ितों के लिए न्याय की लड़ाई लड़ने वाले योद्धा के रूप में रही है। उन्होंने ढाका विधानसभा क्षेत्र से सांसद रहते हुए सिख समुदाय और पंजाब में गहरा सम्मान अर्जित किया। भाजपा में प्रवेश के अवसर पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रही।

फुल्का का राजनीतिक सफर 2014 में आप से शुरू हुआ। उन्होंने लुधियाना से लोकसभा चुनाव लड़ा, लेकिन कांग्रेस के रवनीत सिंह बिट्टू से 19,709 वोटों से हार गए। 2017 में उन्होंने ढाका विधानसभा क्षेत्र से अकाली दल के मनप्रीत सिंह अयाली को हराया और पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बने। 2015 के बेअदबी मामलों में कांग्रेस सरकार द्वारा कार्रवाई न होने के विरोध में उन्होंने 2018 में विधायक पद से इस्तीफा दे दिया और आप भी छोड़ दी।

पुलिस कार्रवाई के बाद होटल संचालकों में मची खलबली

चोटीवाला होटल संचालक पुलिस की पकड़ से दूर

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई इलाकों में पुलिस की दबिश

सीओ गोवर्धन ने आज किया घटना स्थल का मुआयना

छाता के तीन किलो मीटर क्षेत्र में हाइवे पर चलता था कारोबार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। छाता कोतवाली क्षेत्र के हाइवे पर ग्राम दौताना के समीप चोटी वाला होटल पर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस होटल संचालक की तेजी से तलाश कर रही है। इसके साथ ही गोवर्धन के सीओ ने आज घटनास्थल का निरीक्षण किया।

गौरतलब है कि पुलिस अधिकारियों ने इलाके के चौकी इंचार्ज को बिना बताए हाइवे स्थित चोटी वाला होटल पर अचानक छापेमारी की जहां पुलिस ने बेसमेंट में बने कमरों में संचालित देह व्यापार में लगी पांच युवतियों और चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की छापे मारी की कार्रवाई से पहले होटल संचालक कोसीकलां निवासी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने होटल संचालक की गिरफ्तारी के लिए बीती रात उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन वह पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका। बताया गया कि आज सीओ ने इस होटल पर आकर घटना स्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से जानकारी ली। सीओ के आने पर स्थानीय लोगों में इस बात की चर्चा है कि मामले की जांच संभवत उनके द्वारा ही की जा रही है।

पहले भी इस इलाके के ढाबों पर पड़ चुके हैं छापे

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस इस इलाके के चार ढाबों पर देहव्यापार के कारोबार को लेकर छापेमारी कर कई लोगों को पकड़ चुकी है। इसके बाद भी इस इलाके में होने वाला देह व्यापार पर लगाम नहीं लग सकी। इस तरह के ढाबे हाइवे स्थित होने के कारण यहां से गुजरने वाले लोग यहां मनोरंजन करते हैं। इस तरह के ग्राहकों से ढाबा संचालकों को अच्छी आमदनी होती है। यही कारण है की देह व्यापार से जुड़ी युवती और महिलाएं दूसरे जनपदों से इन ढाबे वालों के संपर्क में रहती हैं। इस तरह की युवतियों को ऑन कॉल भी बुलाया जाता है। पुलिस पूर्व में यहां स्थित राधारानी होटल, पवन गेस्टहाउस के साथ चोटीवाला होटल पर देह व्यापार के मामलों में कार्रवाई कर चुकी है। इसके बाद भी इस इलाके में देह व्यापार का कारोबार चलाया जा रहा है।

पुलिस के संरक्षण की भी लोगों में है चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली छाता के हाइवे पर तीन किलो मीटर के एरिया में स्थानीय पुलिस के संरक्षण में कई ढाबों और होटलो में देह व्यापार का धंधा खुले आम चल रहा था। छाता कोतवाली के ग्राम दौताना से लेकर तीन किलो मीटर के एरिया में चल रहे चार ढाबों व गेस्टहाउस पर देह व्यापार का धंधा बे खौफ चल रहा था। पुलिस की छापेमारी के बाद इस तरह का कारोबार करने वाले लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। कुछ दिन पूर्व चोटीवाला होटल पर इस मामले में एक महिला और ग्राहक के बीच जोरदार झगड़ा हुआ था। मौके पर पहुंची पीसीआर के पुलिसकर्मियों ने लेनदेन कर मामला निपटा दिया था।

हवन-पूजन के साथ विद्यालय में नए सत्र का शुभारंभ

रतन फूल कटोरी देवी नए शैक्षिक सत्र के शुभारंभ पर हवन करती प्रधानाचार्य नीता सिंह एवं शिक्षिकाएं ।

यूनिक समय, मथुरा। रतनलाल फूल कटोरी देवी विद्यालय में नवीन शैक्षिक सत्र का शुभारंभ पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ हवन-पूजन द्वारा किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में कौशल विकास कोर्स की संचालिका मीनल सिंघल, प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह, शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की।

कार्यक्रम की शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुई, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और ऊर्जा से भर गया। हवन में सभी ने आहुति देकर ईश्वर से नए सत्र में ज्ञान, सफलता और उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अपने संबोधन में प्रधानाचार्या डॉ. नीता सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और समर्पण के साथ अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। अंत में प्रसाद वितरण किया गया और सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दी गईं। इस प्रकार सकारात्मक माहौल में सत्र की सफल शुरुआत हुई।

आज भी लागू नहीं हो सकी 'वीबीरामजी' योजना

नोटिफिकेशन के इंतजार में अटकी शुरुआत

पूरे दिन असमंजस में रहे ग्रामीण

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। बड़े प्रचार और उम्मीदों के बीच बहुप्रतीक्षित 'विकसित भारत ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (वीबीरामजी) आज भी लागू नहीं हो सकी। सुबह से काम शुरू होने की आस लगाए बैठे ग्रामीणों को दिनभर इंतजार के बाद भी निराशा ही हाथ लगी। सवाल यह है कि जब तैयारियां पूरी बताई जा रही थीं तो आखिरी समय में रुकावट कहां आ गई? गांवों में इस योजना को लेकर काफी उत्साह था। कई जगह मजदूर काम मिलने की उम्मीद में पहले से तैयार थे, लेकिन दिन बीतने के साथ स्थिति साफ हो गई कि योजना फिलहाल शुरू नहीं हो रही है। इससे ग्रामीणों में भ्रम और असंतोष दोनों देखने को मिला।इस संबंध में मनरेगा जिला आयुक्त विजय कुमार ने स्पष्ट किया कि शासन से अभी तक कोई आधिकारिक नोटिफिकेशन प्राप्त नहीं हुआ है। आदेश मिलते ही योजना को नियमानुसार लागू किया जाएगा।

अब सवाल उठ रहा है कि क्या बिना नोटिफिकेशन के ही योजना की चर्चा और तैयारी शुरू कर दी गई थी? या फिर शासन स्तर पर ही प्रक्रिया अधूरी रह गई? ग्रामीणों का कहना है कि यदि योजना लागू नहीं होनी थी तो पहले ही स्पष्ट जानकारी दी जानी चाहिए थी, ताकि बेवजह उम्मीद न बनती।

दिनभर गांवों में इसी मुद्दे को लेकर चर्चाएं होती रहीं। लोग यह जानना चाहते हैं कि आखिर योजना कब शुरू होगी और उन्हें रोजगार कब मिलेगा।

फिलहाल स्थिति साफ है-जब तक शासन से नोटिफिकेशन जारी नहीं होता, योजना शुरू होना संभव नहीं है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह देरी अस्थायी है या फिर योजना की शुरुआत और आगे खिसक सकती है?

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं की फसल बर्बाद

शिकायत लेकर मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी के साथ छाता तहसील मुख्यालय पहुंचे किसान।

किसानों ने उचित मुआवजे की मांग उठाई

संवाददाता

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। तहसील मुख्यालय पर किसानों के साथ मंत्री प्रतिनिधि नरदेव चौधरी ने उप जिलाधिकारी वैभव गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया गया कि क्षेत्र में बेमौसम बारिश, तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण गेहूं की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। इससे परेशान दर्जनों गांवों के किसानों ने तहसील मुख्यालय पहुंचकर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने जल्द से जल्द (सर्वे) कराकर उचित मुआवजे की मांग की है। किसानों ने बताया कि फसल की लागत भी निकलना मुश्किल है। बर्बादी की कगार पर किसान है। खून-पसीना एक करके उन्होंने गेहूं की फसल तैयार की थी। फसल पककर लगभग तैयार हो चुकी थी। कुछ ही दिनों में कटाई शुरू होने वाली थी। लेकिन कुदरत के कहर ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। एसडीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि प्रशासन पूरी तरह से उनके साथ है।

गोवर्धन रोड पर बाइक खड़ी बस से टकराई

दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल

यूनिक समय मथुरा। गोवर्धन रोड पर बीती रात एक बाइक सवार दो युवक सड़क किनारे खड़ी बस से टकरा कर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक की हालत नाजुक बताई जा रही है। बीती रात गोवर्धन रोड पर गंगा सेवा सदन के समीप सड़क किनारे खड़ी एक बस से वहां से गुजरते बाइक सवार दो युवक टकरा कर सड़क पर गिर गए। दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटना के बारे में पुलिस को सूचना दी और घायलों को गोवर्धन के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया। बताया गया कि एक युवक की हालत नाजुक बनी हुई है। इस बारे में थाना प्रभारी निरीक्षक गोवर्धन भगवत सिंह गुर्जर ने बताया कि दुर्घटना की जांच की जा रही है। इस बात का पता लगाया जा रहा है कि दुर्घटना किस कारण हुई।

नशीला पदार्थ बरामद, अभियुक्त गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 334 ग्राम नशीला पदार्थ (गांजा) बरामद किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुखरई तिराह से गोवर्धन बाईपास होते हुए जमुनामता चौराहे के निकट ई- रिक्शा स्टेंड के समीप से अभियुक्त खुर्शीद निवासी दौलतपुर थाना गोवर्धन को गिरफ्तार कर उससे 334 ग्राम नशीला पदार्थ (गांजा) बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

क्रय केंद्र को नहीं मिला कोड कैसे होगी गेहूं की खरीद

क्षेत्र में गेहूं खरीद के लिए एक संघ और सात सहकारी समिति बनाई गई हैं क्रय केंद्र

2585 रुपये प्रति क्विंटल तय किया है सरकार ने खरीद को न्यूनतम समर्थन मूल्य

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। इस बार किसानों से सरकार 2585 रुपये प्रति क्विंटल पर गेहूं की खरीद करेगी। खरीद के लिए क्षेत्र में एक सहकारी संघ और सात सहकारी समितियों पर क्रय केंद्र स्थापित किए गए हैं। किसानों ने पंजीकरण भी कराए हैं, लेकिन क्रय केंद्रों को अभी तक कोड ही जारी नहीं किए गए हैं। फीडिंग मशीन और कोड के अभाव में खरीद का काम शुरू नहीं हो सका है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद के लिए शासन के निर्देश पर सहकारी संघ झुड़ावई के अलावा सहकारी समिति दीनदयाल धाम, सलेमपुर , झुड़ावई, परखम, बेरी और धाना जीवना में केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां बारदाना,

ग्राम सलेमपुर स्थित सहकारी समिति पर गेहूं खरीद के लिए रखे गए कांटे को देखते सचिव प्रेमचंद पाठक।

कांटा, छनाई पंखा और सीलन मापने का यंत्र उपलब्ध है, लेकिन फीडिंग मशीन अभी तक उपलब्ध नहीं हो पाई है। सबसे बड़ी बात यह है कि किसी केंद्र को अभी तक कोड जारी नहीं हुआ है। कोड जारी नहीं होने से स्टैंसिल प्लेट भी नहीं बनाई गई है, यह प्लेट हर बोरी पर छापी जाती है, जिससे संबंधित क्रय केंद्र की जानकारी मिल जाती है।

बुधवार की दोपहर सहकारी समिति सलेमपुर पर मौजूद सचिव प्रेमचंद पाठक ने बताया कि क्रय केंद्र पर सारे इंतजाम पूरे हैं। फीडिंग मशीन आने के बाद ही खरीद का काम शुरू होगा, फीडिंग मशीन आज उपलब्ध होने की संभावना है। वहीं, किसानों से गेहूं खरीद के लिए क्षेत्र में भले ही आठ क्रय केंद्र स्थापित किए गए हों, लेकिन सभी केंद्रों पर इंतजाम अधूरे हैं। किसी भी केंद्र पर फीडिंग मशीन नहीं उपलब्ध कराई गई है।

वैसे सचिवों की ओर से कांटा, छनाई पंखा और नमी चेक करने के इंतजाम किए गए हैं, वारदाना भी आ गया है, लेकिन फीडिंग मशीन आने के बाद ही खरीद का काम शुरू होने की बात कही जा रही है। सहायक विकास अधिकारी, सहकारिता सुरेंद्र कुमार का कहना है कि क्षेत्र में एक सहकारी संघ और सात समितियों पर 2585 रुपये प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद होगी। फीडिंग मशीन शाम तक सभी केंद्रों पर पहुंचा दी जाएगी।

आगरा में तीन अप्रैल को होगा गुरुवर संगीत समारोह

यूनिक समय, आगरा। भारतीय संगीतालय के बैनर तले "गुरुवर संगीत समारोह 2026" का आयोजन तीन अप्रैल की शाम पांच बजे केंद्रीय हिंदी संस्थान के अटल बिहारी बाजपेयी सभागार में किया जाएगा। यह जानकारी प्रधानाचार्य गजेंद्र सिंह चौहान ने दी।

उन्होंने बताया कि संस्था वर्ष 1944 से शास्त्रीय संगीत के संरक्षण में कार्यरत है और यह समारोह गुरु-शिष्य परंपरा को समर्पित है। कार्यक्रम में कोलकाता के प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित अर्नब चटर्जी अपनी प्रस्तुति देंगे, वहीं तबला संगत दिल्ली के दुर्जय भौमिक करेंगे। समारोह में भारतीय संगीतालय के 55 छात्र-छात्राएं राग हेमंत में सरस्वती वंदना प्रस्तुत करेंगे। साथ ही वरिष्ठ शिष्य सागर जग्गी शास्त्रीय गायन पेश करेंगे। तबला संगत भानु प्रताप सिंह व हरिओम माहौर तथा हारमोनियम पर डॉ. राहुल निवेरिया व डॉ. वंदना वरुण संगत देंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडवोकेट अनिल वर्मा होंगे। अध्यक्षता पूर्व आईपीएस बबिता साहू करेंगी।